

27 नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
अक्टूबर, 2026 पृष्ठ : 08
मंगलवार वर्ष : 14
अंक : 208

www.timesofpedia.com

Email: timesofpedia@gmail.com

ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 से भी बेहतर 07



संक्षिप्त

फ्लाइट पकड़ने से पहले ईंडी के हथिय चढ़ा वकील : 28000 करोड़ के लेनदेन का खुलासा



नई दिल्ली, एजेंसी।ईंडी ने मुंबई एयरपोर्ट से भागने की कोशिश कर रहे एक वकील को गिरफ्तार किया है।वह देशव्यापी साइबर फॉड और मनी लॉन्ड्रिंग नेटवर्क में एक अहम लीखन-फिक्सर (अवैध लेनदेन को वैध दिखाने वाला) के तौर पर काम कर रहा था।इस मामले में यह 7वीं गिरफ्तारी है।प्रवर्तन निदेशालय के पणजी जोनल ऑफिस ने 24 अक्तूबर को मुंबई के वकील राशेश भरतकुमार उपाध्याय (उर्फ राशेश शाह) को प्रिवेशन ऑफ़ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट, 2002 (पीएमएलए) के तहत गिरफ्तार किया।उसे मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के बेडिंग गेट पर उस समय पकड़ा गया, जब वह बिना किसी वापसी की बुकिंग के, सुबह की कनेक्टिंग फ्लाइट से दिल्ली जाने की कोशिश कर रहा था।

अस्पतालों के लिए 7.16 करोड़ के 224 आईफोन खरीदे, कई गायब



नई दिल्ली, एजेंसी।केरल के सरकारी अस्पतालों में करोड़ों रुपये खर्च करके खरीदे गए चिकित्सा उपकरणों के इस्तेमाल नहीं होने और कुछ उपकरणों के गायब होने का मामला सामने आया है।राज्य में 7.16 करोड़ रुपये की कीमत से खरीदे गए 224 आईफोन और फंडस कैमरे अस्पतालों में बेकार पड़े हैं।इनमें से कई आईफोन गायब बताए जा रहे हैं।इस मामले ने सरकारी धन के इस्तेमाल और चिकित्सा उपकरणों की खरीद में हुई कथित गड़बड़ियों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।केरल सरकार ने चिकित्सा उपकरणों की खरीद में कथित भ्रष्टाचार और सरकारी धन की बर्बादी की जांच के लिए सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (वीएसीबी) से जांच कराने का फैसला किया है।स्वास्थ्य मंत्री के, मुरलीधरन ने सोमवार को विधानसभा में यह जानकारी दी।कांग्रेस विधायक अबिन वाकी कोडिगाट्टु ने सदन में इस मामले को उठाया था।इसके बाद सरकार ने उपकरणों की खरीद, उनकी गुणवत्ता और लंबे समय से इस्तेमाल नहीं होने के कारणों की जांच कराने की बात कही।

जेल में काटे बेगुनाही के छह साल :पुलिस की जांच पर कोर्ट नाराज



नई दिल्ली, एजेंसी।सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को हत्या के एक मामले में उत्तर प्रदेश पुलिस की जांच पर नाराजगी जताई।कोर्ट ने इसे लापरवाही से की गई जांच बताया।साथ ही, राज्य सरकार को एक व्यक्ति को छह लाख रुपये देने का निर्देश दिया।वह व्यक्ति विचाराधीन कैदी के रूप में छह साल तक जेल में रहा था।सुप्रीम कोर्ट ने उसे व्यवस्था का पीछित बताया।अदालत ने कहा कि महज अटकलों और अनुमानों के आधार पर मनागदत कहानी बनाई गई।इसके कारण उस व्यक्ति के जीवन के छह साल बर्बाद हो गए।न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा, राज्य अपने नागरिकों की सुरक्षा करने की जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकता।खासकर तब, जब किसी आपराधिक मामले में आरोपी बनाए गए व्यक्ति को दोषी साबित होने तक निर्दोष माना जाता है।पीठ ने कहा कि जांच और अभियोजन एजेंसियों का काम किसी भी तरह दोषसिद्धि हासिल करना भर नहीं है।पीठ ने कहा, उन्हें खुद को न्याय देने की व्यवस्था का अहम हिस्सा मानना चाहिए।

अनोखे अंदाज और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

ब्रिक्स संसदीय मंच का आगाज : लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा

आर्थिक अस्थिरता,आतंकवाद,जलवायु परिवर्तन किसी एक देश की चुनौती नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने सोमवार को कहा कि क्षेत्रीय संघर्ष, युद्ध, आर्थिक अस्थिरता, व्यापारिक तनाव, आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियां किसी एक देश की सीमा तक सीमित नहीं रहतीं। उन्होंने कहा, इनका असर सभी देशों पर पड़ता है।ऐसे में संवाद, कूटनीति और सहयोग का महत्व और बढ़ जाता है।

बिरला ने यहां 12वें ब्रिक्स संसदीय मंच का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। उन्होंने संविधान सदन के ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष में आयोजित कार्यक्रम में सदस्य और साझेदार देशों के संसदीय प्रतिनिधियों को संबोधित किया। दो दिवसीय सम्मेलन की मेजबानी नई दिल्ली कर रही है।



हिंदी में दिए अपने संबोधन में लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आपसी समझ और विश्वास बढ़ाने, तनाव कम करने तथा वैश्विक चुनौतियों का शांतिपूर्ण समाधान तलाशने में संसदें

विशेष भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने पुराने संसद भवन यानी संविधान सदन में प्रतिनिधिमंडलों का स्वागत किया। इस वर्ष ब्रिक्स संसदीय मंच की स्थापना के 20 वर्ष भी पूरे हो रहे हैं।

वैश्विक चुनौतियों से निपटने में संसदों की भूमिका अहम

ओम बिरला ने कहा, ब्रिक्स देशों में दुनिया की करीब आधी आबादी रहती है और इनके पास विश्व के लगभग एक-तिहाई भूभाग का हिस्सा है।वैश्विक अर्थव्यवस्था और व्यापार में भी इन देशों की महत्वपूर्ण भागीदारी है। भौगोलिक स्थिति, संस्कृति, भाषा और सामाजिक परिस्थितियों में अंतर होने के बावजूद ब्रिक्स देश लोकतांत्रिक मूल्यों और

मानवता के प्रति साझा प्रतिबद्धता से जुड़े हुए हैं।

बिरला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में यहां आयोजित ब्रिक्स देशों के राष्ट्राध्यक्षों की बैठक में सर्वसम्मति से स्वीकार किए गए संयुक्त वक्तव्य की सराहना की। उन्होंने कहा, इन बैठकों में लिए गए संकल्पों को अब ठोस नतीजों में बदलने की जरूरत है। इसमें कानून बनाने, बजट तैयार करने, चर्चा करने और सरकारी कामकाज की निगरानी करने के जरिए संसदें योगदान दे सकती हैं।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर बिरला के एक लेख का भी जिक्र किया।इसमें ब्रिक्स संसदीय मंच के माध्यम से सदस्य और साझेदार देशों के बीच संवाद और सहयोग मजबूत करने की भूमिका पर चर्चा की गई है।

हरिवंश बोले- वैश्विक सहयोग के लिए महत्वपूर्ण मंच है ब्रिक्स

राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने भी संविधान सदन के ऐतिहासिक केंद्रीय कक्ष में प्रतिनिधियों का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों में दुनिया की करीब आधी आबादी रहती है, इसलिए यह वैश्विक और क्षेत्रीय सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण बहुपक्षीय मंच है।हरिवंश ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में समूह ने जन-केंद्रित और मानवता को प्राथमिकता देने वाला दृष्टिकोण अपनाया है।इसकी थीम मजबूती, नवाचार, सहयोग और स्थिरता को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा, पीएम मोदी ने ग्लोबल साउथ की आवाज को अधिक प्रभावी बनाने के लिए ब्रिक्स के विस्तार की पैरवी की।इसके परिणामस्वरूप नई दिल्ली घोषणापत्र सामने आया, जिसमें वैश्विक शासन व्यवस्था में सुधार और बहुदृष्टीय विश्व व्यवस्था की वकालत की गई है।हरिवंश ने सदस्य देशों से अपनी क्षमताओं को साझा करते हुए समावेशिता को बढ़ावा देने और वैश्विक प्रगति के लिए साझेदारी मजबूत करने का आह्वान किया।भारत ने जून 2025 में ब्रासीलिया में आयोजित 11वें ब्रिक्स संसदीय मंच के दौरान इसकी अध्यक्षता संभाली थी।उस समय ओम बिरला को 12वें मंच का अध्यक्ष नामित किया गया था।

सरकार ने 2.12 लाख करोड़ रुपए की खरीद को दी मंजूरी

दुश्मन के हवाई खतरों से निपटने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में 26 अक्टूबर को हुई रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) की बैठक में भारतीय सशस्त्र बलों की ताकत बढ़ाने के लिए करीब 2.12 लाख करोड़ रुपये की खरीद योजनाओं को सैद्धांतिक मंजूरी दी गई।

इस फैसले के तहत सेना के लिए आधुनिक वाहन, तोप प्रणाली, हेलिकॉप्टर, हवाई रक्षा प्रणाली और निगरानी करने वाले ड्रोन सहित कई तरह के उपकरण खरीदने का रास्ता साफ हुआ है। इनसे सेना की दुर्गम इलाकों में पहुंच, निगरानी, दुश्मन के हवाई खतरों से सुरक्षा और युद्ध के दौरान कार्रवाई करने की क्षमता बढ़ाने का लक्ष्य है।

रक्षा अधिग्रहण परिषद ने विभिन्न रक्षा बलों की पूंजीगत खरीद से जुड़े प्रस्तावों को करीब 2,12,000 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर मंजूरी दी है। इस मंजूरी को स्वीकृति की आवश्यकता (एओएन) कहा जाता है। इसका अर्थ है कि संबंधित खरीद प्रस्तावों को आगे बढ़ाने के लिए सैद्धांतिक प्रशासनिक सहमति मिल गई है। यह पूरी खरीद प्रक्रिया के अंतिम



भारतीय सेना को मिलेंगे

कई आधुनिक उपकरण

भारतीय सेना के लिए कई तरह के आधुनिक उपकरण खरीदने को मंजूरी दी गई है।इनमें हाईमोबिलिटी व्हीकल यानी अधिक आवाजाही क्षमता वाले वाहन, स्वचालित ट्रैक वाली तोप प्रणाली, गन शॉट रिसॉन्स सिस्टम, हल्के बहुउद्देशीय हेलिकॉप्टर, बेहद कम दूरी की वायु रक्षा प्रणाली और प्लेटफॉर्म आधारित ड्रोन रोधी प्रणाली शामिल हैं।इसके अलावा लंबी दूरी तक काम करने वाले मानव रहित विमान, निगरानी करने वाले ड्रोन, एकीकृत निगरानी एवं हमला प्रणाली और लंबी दूरी की कामिकाजे ड्रोन प्रणाली भी प्रस्ताव में शामिल हैं।

रूप से पूरा होने या सभी उपकरणों की तत्काल आपूर्ति की मंजूरी के समान नहीं है। इस

फैसले का उद्देश्य सशस्त्र बलों को आधुनिक जरूरतों के अनुरूप बेहतर उपकरण उपलब्ध कराना है।

नए वाहन और तोप प्रणाली से सेना को फायदा होगा

हाईमोबिलिटी व्हीकल कठिन भौगोलिक परिस्थितियों में सेना की आवाजाही, सामान पहुंचाने और सैन्य अभियानों में मदद करेंगे।पहाड़ी और दुर्गम क्षेत्रों में ऐसे वाहनों की भूमिका अहम होती है, जहां सामान्य वाहनों से पहुंचना मुश्किल हो सकता है। वहीं, स्वचालित ट्रैक वाली तोप प्रणाली मशीनीकृत सैन्य टुकड़ियों के साथ बेहतर तालमेल बनाए रखने में मदद करेगी।इससे सेना को अपनी टुकड़ियों की गति के अनुरूप तोपों की मारक क्षमता इस्तेमाल करने में सहूलियत मिलेगी।गन शॉट रिसॉन्स सिस्टम सैनिकों को गोलीबारी से जुड़ी जानकारी और आसपास की स्थिति का वास्तविक समय में आकलन करने में मदद करेगा।इससे सेना को खतरे की पहचान और जवाबी कार्रवाई के लिए बेहतर जानकारी मिल सकेगी।

कई राज्यों पर पड़ेगा असर

चक्रवात अर्नब : 48 घंटे में दस्तक देगा 140 किमी/घंटे की स्पीड वाला तूफान

नई दिल्ली, एजेंसी

कैबिनेट सचिव डॉ. टीवी सोमनाथन ने बंगाल की खाड़ी में आने वाले चक्रवात की तैयारियों को समीक्षा के लिए सोमवार को राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति की एक बैठक की अध्यक्षता की है।अगले 48 घंटे में चक्रवाती तूफान दस्तक देगा। इस दौरान 140 किमी/घंटे की स्पीड से हवा चलेगी।चक्रवाती तूफान का असर तेलंगाना, दक्षिणी ओडिशा, दक्षिण और मध्य छत्तीसगढ़ के साथ-साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश व बिहार के जिलों में पड़ने की संभावना है।पूर्वी-मध्य और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी के



ऊपर बना गहरा दबाव अब एक चक्रवाती तूफान अर्नब में बदल गया है। सुबह 05:30 बजे यह पूर्वी-मध्य और उससे सटे पश्चिमी-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर केंद्रित था। यह श्री विजय पुरम से 590 किमी उत्तर-पश्चिम में, विशाखापत्तनम से 650 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व में, काकीनाडा से 730 किमी पूर्व-दक्षिण-पूर्व में, मछलीपट्टनम से 830 किमी पूर्व में स्थित था।

आज उत्तर पश्चिम में बढ़ेगा

अनुमान है कि यह 27 अक्टूबर तक पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ेगा और फिर उत्तर-पश्चिम की ओर आंध्र प्रदेश के तट की ओर मुड़ जाएगा।इसके 28 अक्टूबर 2026 की सुबह तक एक बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान के रूप में बापटोल और विशाखापत्तनम के बीच आंध्र प्रदेश और यनम तटों को पार करने की संभावना है।इस दौरान हवा की गति 115-125 किमी प्रति घंटा होगी, जो झोंकों के साथ 140 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है।इसे लेकर आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के मुख्य सचिवों/वरिष्ठ अधिकारियों ने समिति को राज्य सरकारों/स्थानीय प्रशासन द्वारा की जा रही तैयारियों के बारे में जानकारी दी।

अब दिल की धड़कन से बनेगी बिजली

बैटरी रहित होगा पेसमेकर, वैज्ञानिकों ने तैयार की सूक्ष्म जनरेटरों की जाली

नई दिल्ली, एजेंसी

मानव हृदय की हर धड़कन को बिजली में बदलकर चिकित्सा उपकरणों को ऊर्जा देने की दिशा में वैज्ञानिकों ने नई उम्मीद जगाई है।अमेरिका के मैसाचुसेट्स एमहर्स्ट विश्वविद्यालय के इंजीनियरों ने प्रयोगशाला में विकसित मानव हृदय ऊतक के भीतर सूक्ष्म विद्युत जनरेटरों की जाली तैयार की है।ऊतक के धड़कने पर इन जनरेटरों ने विद्युत संकेत पैदा किए। यह तकनीक भविष्य में पेसमेकर और दूसरे प्रत्यारोपित चिकित्सा उपकरणों के लिए बैटरी पर निर्भरता कम करने का रास्ता खोल सकती है।हालांकि, अभी इसका परीक्षण केवल प्रयोगशाला में



विकसित ऊतक पर हुआ है।यह शोध विज्ञान पत्रिका साइंस एडवांसेज में प्रकाशित हुआ है।शोधकर्ताओं ने प्लास्टिक की बेहद पतली पट्टियों से एक जाली बनाई, जिसमें सीसा जिरकोनेट टाइटेनेट नामक सिरमोटिक पदार्थ की 64 सूक्ष्म पट्टियां लगाई गईं।यह पदार्थ मुड़ने पर विद्युत चोरट्टेज पैदा करता है।जाली का आकार 7 गुणा 8 मिलीमीटर है और इसका करीब 78 प्रतिशत हिस्सा खाली है।

महंगाई की मार : एसएंडपी ग्लोबल ने जारी की चेतावनी

दुनियाभर में बढ़ सकती हैं खाद्य कीमतें, अल नीनो बढ़ाएगा संकट

नई दिल्ली, एजेंसी

एसएंडपी ग्लोबल की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2027 में वैश्विक खाद्य कीमतों में और बढ़ोतरी हो सकती है।इसके पीछे उर्वरक और खेती की बढ़ती लागत के साथ-साथ अल नीनो से जुड़ी संभावित मौसमी गड़बड़ियां मुख्य कारण हो सकती हैं।

आने वाले महीनों में इसका असर और अधिक स्पष्ट होने की संभावना है, हालांकि खाद्य पदार्थों पर इसका पूरा प्रभाव दिखने में अभी समय लगेगा।रिपोर्ट में चेतावनी दी गई है कि एक बेहद शक्तिशाली अल नीनो प्रमुख फसल उत्पादक क्षेत्रों में कृषि उत्पादन के लिए खतरा बन सकता है, जबकि उर्वरक और डीजल की कमी किसानों पर दबाव डाल रही है।इसमें बताया गया है कि आने वाले कुछ महीनों में खाद्य आपूर्ति पर इनका पूरा असर दिखने में समय लगेगा।



इसका असर और भी स्पष्ट रूप से दिखाई देगा, क्योंकि किसान बढ़ती लागत और उर्वरक व डीजल की कमी से जूझ रहे हैं।तेल की कीमतों में होने वाले बदलावों के विपरीत, जो तुरंत दिखाई देने लगते हैं, खाद्य पदार्थों पर इनका पूरा असर दिखने में समय लगेगा।

क्या यह अकेला कृषि संकट है ?

यह कोईएक अकेला कृषि संकट नहीं है, बल्कि कई संकटों का एक साथ आना है।संवर्ष की असर खाद, ऊर्जा और बायोफ्यूल बाजारों पर पड़ रहा है, जिससे लागत बढ़ रही है और किसानों के पास विकल्प कम हो रहे हैं।टीक उसी समय, एक बहुत ही शक्तिशाली अल नीनो फसलों के लिए खतरा बन गया है।रिपोर्ट में कहा गया है कि, एक बेहद शक्तिशाली अल नीनो, जिसके 2026 के अखिर में अपने चरम पर पहुंचने में कहा गया है कि, एक बेहद शक्तिशाली अल नीनो, जिसके 2026 के अखिर में अपने चरम पर पहुंचने की उम्मीद है, एक ऐसे पर्यावरणीय कारक के रूप में काम करेगा जो 2027 में एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका के प्रमुख कृषि क्षेत्रों में भीषण सूखे और बाढ़ का कारण बन सकता है।

खाद के उत्पादन में सुधार होगा ?

रिपोर्ट के अनुसार खाद के उत्पादन में धीरे-धीरे सुधार होने की उम्मीद है, जिससे बाजारों में स्थिरता आएगी।फसलों की ऊंची कीमतें किसानों का मुनाफा बढ़ा सकती हैं, जिससे वे खेती के तहत और अधिक जमीन ला सकते हैं और खाद का इस्तेमाल भी बढ़ा सकते हैं।हालांकि, इस बदलाव में समय लगेगा; कृषि उत्पादन और आपूर्ति में सुधार होने से पहले उपभोक्ताओं को खाद्य पदार्थों की ऊंची कीमतों का सामना करना पड़ सकता है।रिपोर्ट में बताया गया है, बुनियादी खाद्य फसलों के अलावा अन्य वस्तुओं पर भी अल नीनो का असर पड़ेगा।इनमें वे नकदी फसलें भी शामिल हैं, जो कई गरीब इलाकों में लोगों की आजीविका के लिए बहुत

महत्वपूर्ण हैं।इसे और विस्तार से समझाते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक कृषि क्षेत्र कई तरह के दबावों का सामना कर रहा है।इनमें खाद और ऊर्जा की बढ़ती लागत, बायोफ्यूल की बढ़ती मांग और अल नीनो के कारण मौसम में होने वाली संभावित गड़बड़ियां शामिल हैं।रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि खाद का उत्पादन काफी हद तक प्राकृतिक गैस पर निर्भर करता है, जबकि खेती की मशीनों को चलाने, सिंचाई प्रणालियों और कृषि उपज के परिवहन के लिए डीजल बहुत जरूरी है।इसलिए, ऊर्जा की बढ़ती कीमतें उत्पादन लागत को बढ़ा रही हैं और किसानों के मुनाफे पर दबाव डाल रही हैं।

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

आजकल ब्राडिंग का युग है,कोई भी कंपनी अपने उत्पादों को इस तरह प्रचारित करती है कि दर्शक यानी उपभोक्ता को लगता है कि यही उसकी असल जरूरत है। कंपनियों की मार्केटिंग व विज्ञापनों के खेल का ताजा दौर आक्रामकता वाला है, अब यह सोशल मीडिया का हर माध्यम से लेकर टीवी, सिनेमाघर, बाजार, सड़कों पर हर जगह नजर आता है। भारत में बच्चों के विकास के लिए जरूरी पोषक पदार्थों को बेचने का उपक्रम तो सबसे पुराना ही है। इस प्रचार के खेल में फिल्मी व स्लैमर की दुनिया की हस्तियां मोटी रकम लेकर शामिल हो जाती हैं तथा आम उपभोक्ता देशी-विदेशी खाद्य पदार्थ बेचने वाली कंपनियों के उन दावों पर भरोसा कर लेता है, जिनमें बच्चों के तेज विकास, मजबूत रोग

प्रतिरोधक क्षमता तथा दिमाग तेज करने के वादे किए जाते रहे हैं। वास्तव में माता-पिता को इन दावों के वैज्ञानिक प्रमाण मिलने चाहिए। हाल में शिशुओं के विकास के लिए बनाए गए फार्मूले और कॉम्प्लान से संबंधित दावों को लेकर नेस्ले इंडिया और जाइडस वेलनेस को भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई द्वारा नोटिस जारी किए गए हैं तो यह चिंता और सघन हुई है। नियामक ने कॉम्प्लान के शिशुओं के तीव्र गति से विकास और एकाग्रता, स्मृति तथा रोग प्रतिरोधक क्षमता से संबंधित लाभ जैसे दावों पर सवाल उठाए हैं। नियामक ने नेस्ले को उसके शिशु आहार के फार्मूले में खास प्रोटीन की पाचन क्षमता और मां के दूध के समान रोग प्रतिरोधक क्षमता में सहायक लाभों को प्रमाणित

संपादकीय

संपादकीय

मार्केटिंग का मतलब जिम्मेदारी भी

करने के लिए कहा है। निस्संदेह, उत्पाद खरीदते समय ऐसे दावे माता-पिता के निर्णयों को प्रभावित कर सकते हैं। विशेष रूप से जब बच्चे के विकास को लेकर चिंताएं परिवार को बेहतर पोषण के वादों के प्रति सवेदनशील बनाती हैं। इस मामले में एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा ऑनलाइन प्रचार की भी जांच की गई, जिसमें शिशु आहार फार्मूला उत्पादों की गुणवत्ता की रैंकिंग की गई थी। इसमें दावा किया गया था कि इसके उपयोग से

बच्चे की रोग प्रतिरोधक क्षमता, मस्तिष्क के विकास और पाचन में लाभ मिलता है। बहरहाल, इस प्रकरण के बाद डिजिटल विज्ञापनों के नियमन की बढ़ती चुनौती भी सामने आती है। ऐसे भ्रामक व्यावसायिक प्रचार से कभी-कभी वास्तविक लाभ देने वाली सलाह होने का भ्रम भी पैदा हो सकता है। जबकि ‘शिशु दुग्ध विकल्प अधिनियम’ के तहत लगाई गई पाबंदियां विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं, क्योंकि इसका मकसद शिशुओं को मां का दूध देने की स्वास्थ्यकारी प्रथा को अनुचित व्यावसायिक प्रभावों से होने वाले नुकसान से बचाना है। वैसे देखें तो भारतीय खाद्य संरक्षा एवं मानक प्राधिकरण द्वारा दिए गए ये नोटिस मुनाफे के लिए किए जा रहे किसी गलत कार्य के अंतिम निष्कर्ष नहीं कहे जा सकते हैं।

नई दिल्ली, मंगलवार 27 अक्टूबर 2026 02

सुविचार

विजयी व्यक्ति स्वभाव से, बहिर्मुखी होता है। पराजय व्यक्ति को अन्तर्मुखी बनाती है।



सेहत

पीपल के स्वास्थ्य लाभ...

पीपल के स्वास्थ्य लाभों में हृदय स्वास्थ्य में सुधार, पाचन को बढ़ावा देना, और सर्दी-खांसी से राहत शामिल हैं। इसके पत्ते मधुमेह, अस्थमा और त्वचा संबंधी समस्याओं के लिए भी फायदेमंद माने जाते हैं। इसके अलावा, पीपल तनाव कम करने और अच्छी नींद को बढ़ावा देने में भी मदद कर सकता है।

हृदय स्वास्थ्य

- यह हृदय को स्वस्थ रखने और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है।
- पीपल के पत्तों का काढ़ा हृदय गति को नियंत्रित करने में भी सहायक हो सकता है।

पाचन स्वास्थ्य

- यह कब्ज, गैस और अपच जैसी समस्याओं में राहत दे सकता है।
- फाइबर और कैल्शियम से भरपूर होने के कारण, यह पाचन तंत्र को सुधारने में मदद करता है।

श्वसन संबंधी समस्याएँ

- अस्थमा और खांसी जैसी श्वसन संबंधी समस्याओं में फायदेमंद होता है।
- पीपल के सूखे फल का पाउडर शहद के साथ लेने से खांसी से राहत मिल सकती है।

त्वचा स्वास्थ्य

- त्वचा रोगों जैसे कि दाद और खुजली को ठीक करने में मदद कर सकता है।
- पीपल के पत्तों से बना काढ़ा त्वचा को स्वस्थ रखने में सहायक हो सकता है।
- यह मानसिक तनाव और चिंता को कम करने में मदद कर सकता है, जिससे अच्छी नींद आती है।
- महिलाओं में हार्मोनल असंतुलन, थायराइड और पीसीओडी जैसी समस्याओं में राहत दे सकता है।
- यह शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में मदद करता है।

सावधानी— किसी भी स्वास्थ्य समस्या के इलाज के लिए पीपल का उपयोग करने से पहले, एक आयुर्वेदिक चिकित्सक से परामर्श करना महत्वपूर्ण है।

ज्ञानवाणी

उसका नाम अब भी गूंजता है?

नीत, एक सरल, भोला और अनोध-सा युवक था – जिसकी दुनिया बहुत छोटी थी। कॉलेज, कुछ दोस्त, और सबसे जरूरी साहिबा वो लड़की जो उसकी जिंदगी का अर्थ बन गई थी। साहिबा पहलई में होशियार, समझदार और हर किसी के प्रति विनम्र थीं। वहीं नीत थोड़ा संकोची, लेकिन सच्चे दिल से चाहने वाला ईसान था। उनका मिलना किसी सीधा का नहीं, बल्कि ईश्वर की लिखी संयोग की पंक्तियों का परिणाम था। शुरुआत हुई एक छोटी सी दोस्ती से। फिर बातें बढ़ीं – घंटों फोन पर बात करना, एक-दूसरे की बातें सुनना, छोटी-छोटी खुशियों को साझा करना। साहिबा की हँसी नीत के लिए किसी मंत्र जैसी थी। वो जब हँसती, तो नीत को लगता कि उसकी पूरी दुनिया रौशन हो गई।

हर काल, हर मौसम उसके दिन की धड़कन बन गए थे। लेकिन वक्त, जो कभी साथ लगता है, वही सबसे बड़ा फासला भी बन जाता है। धीरे-धीरे उनकी बातें कम होने लगीं। पहले गुड मॉर्निंग और गुड नाइट मैसेज मिस हो गए, फिर दिन बीतने लगे बिना किसी बातचीत के।

एक दिन साहिबा ने कहा – नीत, शायद अब हमें थोड़ा अलग हो जाना चाहिए जिंदगी में बहुत कुछ है, जो हमें करना है। नीत ने कुछ नहीं कहा, बस मुस्कुराया। क्योंकि वो जानता था – सच्चा प्रेम मांगता नहीं, बस देना जानता है। दिन, महीने, साल गुजरते गए। साहिबा की खबरें अब सिर्फ दूसरों से सुनाई देती थीं – वो अब बहुत खुश थी, अपने परिवार के साथ, अपने नए जीवन में। नीत हर बार सुनकर खुश होता – जैसे किसी पुराने सपने की जीत पर मुस्कुरा रहा हो। पर रात को जब चाँद छिड़की से झाँकता, तो नीत के दिल के अंदर वही अधूरी खामोशी गूंजती –
~क्या वो भी मुझे कभी याद करती होगी? वो अब मंदिरों में ज्यादा समय बिताने लगा था।महादेव उसके सच्चे साथी बन गए थे।वो हर रोज शिवलिंग पर जल चढ़ाते हुए यही प्रार्थना करता है भोलेनाथ, मेरी साहिबा को हमेशा खुश रखना।कई लोगों ने पूछा – नीत, तुम आगे क्यों नहीं बढ़ते? वो बस मुस्कुरा देता – मैं आगे बढ़ चुका हूँ, बस दिशा अलग है।मैंने प्रेम खोया नहीं, उसे महादेव को समर्पित कर दिया है। उसकी आँखों में अब भी साहिबा की झलक थी, पर मन में शांति थी – क्योंकि उसे यकीन था, जहाँ सच्चा प्रेम अधूरा रह जाए, वहाँ शिव उस प्रेम को शाश्वत बना देते हैं। वक्त बीत गया नीत अब एक आध्यात्मिक मार्ग पर था – एक मुसाफिर, जो प्रेम से शुरू होकर प्रभु तक पहुँच गया था। वो कहता था – तुम्हें तो न पा सका, लेकिन महादेव के दर पर तुम्हारी यादों को समेटे हर रोज खुद को पा रहा हूँ। क्योंकि प्रेम अगर सच्चा हो, तो वो विरह में भी पवित्र रहता है और आज भी, जब मंदिर की घंटियाँ बजती हैं,कहीं न कहीं नीत की आँखों में वो पहला प्यार झलक जाता है – वो मुस्कान, वो मासूमियत, वो साहिबा का अब उसकी नहीं, पर उसकी दुआओं की हमेशा रहेगी।

जंगली पक्षी प्रकृति की मदद से उड़ान को अधिक कुशल कैसे बनाते हैं?

करते हैं। उनकी ये क्षमताएँ न केवल वन्यजीवों को समझने के लिए महत्त्वपूर्ण हैं, बल्कि अधिक कुशल विमान बनाने और वायुगतिकी के बारे में हमारी जानकारी बढ़ाने में भी उपयोगी हैं। पक्षियों को हवा में बने रहने के लिए हर समय अपने पंख फड़फड़ाने की आवश्यकता नहीं होती। अनुकूल वायुमंडलीय परिस्थितियों में हवा स्वयं उन्हें ऊपर उठने में सहायता कर सकती है। इसका एक प्रमुख उदाहरण गर्म हवा के ऊपर उठने प्रवाह का उपयोग है। सूर्य की गर्मी जब धरती की सतह को अलग-अलग मात्रा में गर्म करती है, तो गर्म हवा के कुछ हिस्से ऊपर उठने लगते हैं। ऐसे वायु प्रवाह को थर्मल करंट कहा जाता है।

बाज, गिद्ध और कुछ सारस जैसे बड़े पक्षी इन वायु प्रवाहों का नियमित रूप से लाभ उठाते हैं। वे ऊपर उठती हवा में गोल-गोल चक्कर लगाते हुए

ऊँचाई प्राप्त करते हैं और फिर अपने अगले गंतव्य की ओर फिसलती हुई उड़ान भरते हैं। इस प्रक्रिया को दोहराकर वे अपनी मांसपेशियों पर कम दबाव डालते हुए लंबी दूरी तय कर सकते हैं। यह तरीका विशेष रूप से उन पक्षियों के लिए उपयोगी है जिनके पंख चौड़े और शरीर अपेक्षाकृत बड़े होते हैं। उनकी शारीरिक बनावट उन्हें हवा में कुशलतापूर्वक बने रहने और प्राकृतिक रूप से ऊपर उठती हवा का लाभ उठाने में सक्षम बनाती है। थर्मल करंट ही उड़ान में प्रकृति की ओर से मिलने वाली एकमात्र सहायता नहीं हैं। जब हवा पहाड़ियों, चट्टानों और पर्वतों से टकराती है, तो वह ऊपर की ओर मुड़ सकती है। पक्षी इन वायु प्रवाहों का उपयोग अपनी ऊँचाई बनाए रखने के लिए करते हैं। इस तकनीक को रिज दर्शाती है। वे हवा की दिशा, दिखाई देने वाले प्राकृतिक संकेतों और आसपास

तकनीक का उपयोग करते हैं। वे अलग-अलग ऊँचाइयों पर बहने वाली हवाओं की गति में अंतर का लाभ उठाकर ऊर्जा प्राप्त करते हैं। एल्बाट्रॉस पक्षी इस तकनीक के लिए विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं। वे समुद्र के विशाल विस्तार पर बहुत कम पंख फड़फड़ाते हुए लंबी यात्राएं कर सकते हैं। यह व्यवहार बताता है कि कुशल उड़ान केवल पंखों की बनावट पर निर्भर नहीं करती, बल्कि सही मार्ग, उपयुक्त ऊँचाई और वायुमंडलीय परिस्थितियों के चुनाव पर भी निर्भर करती है। पक्षी अपने आसपास के वातावरण को अपनी उड़ान प्रणाली का हिस्सा बना लेते हैं। पक्षी अनुकूल वायु प्रवाह की पहचान कैसे करते हैं? उनका उड़ान व्यवहार जन्मजात क्षमताओं, इंद्रियों से प्राप्त जानकारी और अनुभव के मेल को दर्शाता है। वे हवा की दिशा, दिखाई देने वाले प्राकृतिक संकेतों और आसपास

झैगन का पुराना ढर्ा और भारत का नया संकल्प

अशोक भाटिया

24 अक्टूबर को भारत-तिब्बत सीमा पुलिस ने अपने स्थापना दिवस की 65वीं वर्षगांठ मनाई है, जो भारत की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति उसके अडिग संकल्प को दर्शाती है। इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आईटीबीपी के जांबाज हिमवीरों को बधाई देते हुए उनके असाधारण शौर्य और पराक्रम की सराहना की। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में विशेष रूप से रेखांकित किया कि आईटीबीपी के इन वीर जवानों ने हमेशा खुद को असाधारण वीरता के माध्यम से साबित किया है और हर चुनौती का सामना एक अनुकरणीय व अटूट दृढ़ संकल्प के साथ किया है। उन्होंने आगे कहा कि देश के प्रति इन जवानों की यह निस्वार्थ सेवा और सर्वोच्च बलिदान संपूर्ण राष्ट्र के लिए एक महान और अटूट प्रेरणा का स्रोत है।

शून्य से भी कई डिग्री नीचे के हाड़ कपाने वाले तापमान, भयानक बर्फाले तूफानों और 18,000 फीट तक की अत्यंत दुर्गम चोटियों पर तैनात आईटीबीपी के ये हिमवीर आज चीन के दशकों पुराने विस्तारवादी ढर्रे के मुकाबले भारत की सामरिक आत्मनिर्भरता और अदम्य साहस की सबसे मजबूत अग्रिम दीवार बनकर खड़े हैं। यह वर्षगांठ केवल एक विशिष्ट सुरक्षा बल के शौर्य का उत्सव नहीं है, बल्कि यह बीजिंग की भू-राजनीतिक चालाकियों के सामने नई दिल्ली के उस बदलते रक्षा प्रतिमान और नए रणनीतिक संकल्प की हंकार है जो अब किसी भी प्रकार के बाहरी दबाव के आगे घुटने टेकने को तैयार नहीं है।

चीन की सामरिक संस्कृति हमेशा से सलामी स्टाइसिंग यानी किशतों में पड़ोसियों की जमीन हड़पने और द्विपक्षीय समझौतों को दरकिनार कर यथास्थिति को एकतरफा बदलने के पुराने ढर्रे पर आधारित रही है। सन 1962 के थोखेबाज आक्रमण से लेकर 2020 के गलवान संघर्ष और उसके बाद की लंबी सैन्य तनावनी तक, बीजिंग का एक ही ढर्ा रहा है कि कूटनीतिक मेज पर शांति का ढोंग रचया जाए और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चुपके से सैन्य बुनियादी ढांचे का विस्तार करके नया दावा ठोक दिया जाए। चीन की इस विस्तारवादी नीति में बड़े पैमाने पर सैनिकों का जमावड़ा करना, विवादित या बिना सीमांकन वाले क्षेत्रों में बंकर, पुल, हवाई पट्टियां बनाना और सीमावर्ती मॉडल गांव बसाकर स्थायी अतिक्रमण करना शामिल रहा है। चीन का पुराना ढर्ा हमेशा इस धारणा पर काम करता था कि भारत कूटनीतिक बयानों और रणनीत्यक प्रतिक्रियाओं तक ही सीमित रहेगा, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस पुरानी और ऐतिहासिक हजिकचिहाट को पूरी तरह से त्याग दिया है। आज का भारत बीजिंग को उसी की सैन्य और कूटनीतिक भाषा में दौटूक जवाब दे रहा है, जिसका सीधा संदेश है कि भारत शांति का प्रबल समर्थक है लेकिन अपनी क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता की कीमत पर किसी भी प्रकार का समझौता कभी नहीं करेगा। भारत का यह नया संकल्प सीमाओं पर केवल सैन्य तैनाती बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें एक अभूतपूर्व रणनीतिक आधुनिकीकरण शामिल है। भारत ने डारबुक-श्योक-दौलत बेग ओल्डी सड़क, जोजिला

के परिवर्तनों के अनुसार अपनी उड़ान में बदलाव कर सकते हैं। प्रवासी पक्षियों के लिए यह क्षमता विशेष रूप से महत्त्वपूर्ण है। उन्हें ऊर्जा की खपत, मौसम, भोजन की उपलब्धता और प्रजनन या शीतकालीन निवास स्थलों तक समय पर पहुँचने के बीच संतुलन बनाना पड़ता है। अनुकूल हवाओं और ऊपर उठती हवा का उपयोग उनकी यात्रा में लगने वाले शारीरिक प्रयास को कम कर सकता है तथा सीमित ऊर्जा भंडार के साथ लंबी दूरी तय करने में मदद कर सकता है। हालाँकि, पक्षी हर परिस्थिति में प्राकृतिक वायु सहायता पर निर्भर नहीं रह सकते। उड़ान शुरू करने, दिशा बदलने, कम गति से उड़ने और प्रतिकूल वायु परिस्थितियों में पंख फड़फड़ाना आवश्यक होता है। इसलिए कुशल उड़ान विभिन्न तकनीकों का परिस्थितियों के अनुसार उपयोग करने से संभव होती है।

शिवाजी कॉलेज में शुरु हुआ ‘ अगस्त्य स्पेस सेंटर ’ स्कूल से रोजगार तक की राह आसान बनाएगा सीबीएसई

वेब वार्ता, नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के शिवाजी कॉलेज में सोमवार को भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो की वैज्ञानिक डॉ. नंदिनी हरिनाथ ने अगस्त्य स्पेस सेंटर का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने From Human Space Flight to Deep Space: A World of Challenges विषय पर स्पेशल लेक्चर दिया। साथ ही, स्टूडेंट्स को मानव अंतरिक्ष उड़ान से लेकर डीप स्पेस एक्सप्लोरेशन तक की चुनौतियों के बारे में बताया।

बता दें कि डॉ. नंदिनी हरिनाथ भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम से जुड़ी प्रतिष्ठित वैज्ञानिक हैं और उन्हें ‘शंकेट वुमन ऑफ़ ईडिया’ के नाम से भी जाना जाता है। इस वक्त वह इसरो के टेलीमेट्री, ट्रैकिंग एंड कमांड नेटवर्क (आईएसटीआरएसी), बेंगलुरु की डिप्टी-डायरेक्टर हैं।

संक्षिप्तवार्ता ट्रैफिक पुलिसकर्मियों ने दो झपटमारों को दबोचा

नई दिल्ली। लिबासपुर अंडरपास पर ड्यूटी कर रहे दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के दो कर्मचारियों ने सतर्कता दिखाते हुए मोबाइल झपटमार को पकड़ लिया। आरोपी के कब्जे से एक महिला से झपटा गया मोबाइल फोन बरामद हुआ। इस आरोपी को स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया गया है। दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, सोमवार सुबह लिबासपुर अंडरपास पर समयपुर बादली सर्किल के ट्रैफिक इंस्पेक्टर संतोष गुप्ता के निर्देशन में एएसआई नरेंद्र और हेड कांस्टेबल रमेश ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें पकड़ो-पकड़ो की आवाज सुनाई दी। उन्होंने एक युवक को भागते देखा तो तुरंत उसका पीछा कर पकड़ लिया। पूछताछ में पता चला कि युवक ने एक महिला से मोबाइल फोन झपटा था। तलाशी लेने पर मोबाइल उसके पास से बरामद हो गया। आरोपी की पहचान रोहित के रूप में हुई है, जबकि पीड़िता का नाम रूपल बताया गया है। घटना की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दी गई। इसके बाद आरोपी और बरामद मोबाइल को आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया। उत्तरी रेंज के यातायात पुलिस उपायुक्त डॉ. सचिन कुमार सिंहल ने पुलिस-कर्मियों की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई की सराहना की।

पटवारी भर्ती के नियमों में संशोधन को मंजूरी

नई दिल्ली। दिल्ली के ज्वेलरी कारोबारियों के साथ आये दिन हो रही आपराधिक घटनाओं के लेकर कूचा महाजनी सराफा बाजार के व्यापारियों ने बैठक कर चर्चा की। इस दौरान हाल ही में हुई एक घटना जिसमें 75 लाख रुपये लेकर निकले एक कर्मचारी से गुलाबी बाग थाने के पास लूट की वारदात पर भी चर्चा हुई। सर्राफ व्यापारियों के साथ हो रही इस घटना के बाद ऑल बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (एबीजेए) ने कारोबारियों से नकदी की आवाजाही के दौरान सतर्कता बरतने की अपील की है। एसोसिएशन ने सलाह दी है कि नकदी ले जाने के लिए कम से कम दो कर्मचारियों को साथ भेजें और संभव हो तो चारपहिया वाहन का इस्तेमाल करें।

विरोध पीएम पर टिप्पणी को लेकर खरगे के निवास पर किया विरोध प्रदर्शन

प्रधानमंत्री की आलोचना करते हुए उनके पिता को गाली देना अपमानजनक... जनता माफ नहीं करेगी: भाजपा

वेब वार्ता, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की कथित टिप्पणी के विरोध में सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा के नेतृत्व में एवं प्रदेश प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे की उपस्थिती में दिल्ली भाजपा के पूर्वांचल, युवा एवं ओ.बी.सी. मोर्चा के लगभग दो हजार कार्यकर्ता ने राजा जी मार्ग स्थित उनके निवास के पास विशाल विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को पुलिस ने कुशक रोड़ मोड़ पर बैरिकेड्स लगा कर रोकने का प्रयास किया जिसे तोड़ कर कार्यकर्ता आगे बढ़े तो सेना भवन के पास से प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा सहित लगभग 200 वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को



अंतरिक्ष अभियानों की चुनौतियों पर हुई चर्चा
अपने लेक्चर व्याख्यान में डॉ. हरिनाथ ने मानव अंतरिक्ष उड़ान और गहन अंतरिक्ष अभियानों से जुड़ी वैज्ञानिक एवं तकनीकी चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष अभियानों की सफलता के लिए वैज्ञानिक नवाचार, अत्याधुनिक तकनीक, सटीक

योजना और विभिन्न वैज्ञानिक क्षेत्रों के बीच सहयोग बेहद जरूरी है। उन्होंने स्टूडेंट्स को अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के क्षेत्र में मौजूद नई संभावनाओं से परिचित कराया। साथ ही, वैज्ञानिक जिज्ञासा, इनोवेशन और रिसर्च के प्रति छात्रों को प्रोत्साहित किया।

विद्यार्थियों के लिए शुरू हुआ अगस्त्य स्पेस सेंटर

कार्यक्रम का प्रमुख आकर्षण अगस्त्य स्पेस सेंटर का उद्घाटन रहा। इस केंद्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति रुचि विकसित करना, वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देना और रिसर्च एवं इनोवेशन से जुड़ी गतिविधियों को प्रोत्साहित करना है।

शिवाराज 350 रिसर्च मैगजीन का पहला अंक जारी

कार्यक्रम में शिवाजी कॉलेज की बहु-विषयक अकादमिक रिसर्च मैगजीन शिवाराज 350 के पहले अंक का विमोचन

छठ महापर्व से पहले मिल सकता है ‘यमुना सफारी’ का आनंद

मुख्यमंत्री गुप्ता ने क्रूज में यात्रा कर जलमार्ग का लिया जायजा

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)। दिल्ली में यमुना पर चलने वाली क्रूज सेवा को छठ महापर्व से पहले शुरू किया जा सकता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को सोनिया विहार से जगतपुर तक यमुना नदी पर विकसित की जा रही क्रूज सेवा का ट्रायल रन और निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से परियोजना की प्रगति, संचालन व्यवस्था और यात्रियों के लिए तैयार की जा रही सुविधाओं की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यमुना सफारी की शुरुआत राजधानी में पर्यटन और मनोरंजन की नई संभावनाओं को भी साकार करेगी। इस अवसर पर दिल्ली सरकार के पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार को योजना छठ महापर्व से पहले यमुना सफारी का औपचारिक शुभारंभ करने की है ताकि दिल्लीवासी इस विशेष अनुभव का आनंद ले सकें। उन्होंने कहा कि देश के अन्य शहरों में नदियों पर नौका विहार लोगों को शांति, सुकून और प्रकृति के निकट आने का अवसर देती है, उसी प्रकार दिल्ली में भी लोग मां यमुना के दर्शन करते हुए क्रूज का आनंद जल्द ले सकेंगे। यह पहल एक



आकर्षक पर्यटन स्थल विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

यात्रियों के लिए सुविधाएं और पर्यटन विकास: मुख्यमंत्री ने कहा कि सोनिया विहार से जगतपुर तक लगभग छह किलोमीटर के जलमार्ग पर विकसित की जा रही यह क्रूज सेवा दिल्ली में पर्यटन की नई संभावनाओं के द्वार खोलेगी। इससे स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। नदी के आसपास उपलब्ध सुविधाओं को विकसित करके इस क्षेत्र को एक आकर्षक पर्यटन एवं मनोरंजन स्थल बनाया जा रहा है। परियोजना के अंतर्गत यात्रियों की सुविधा के लिए फूड कियोस्क, रेस्टोरेंट, बच्चों के लिए किड्स ज़ोन और अन्य आवश्यक जनसुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

30 यात्रियों की क्षमता, 45 मिनट का होगा सफर: अधिकारियों ने मुख्यमंत्री

हल्के वाहनों के लिए खुलेगा राव तुलाराम फ्लाईओवर

नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने सोमवार को राजधानी के राव तुलाराम (आरटीआर) फ्लाईओवर का निरीक्षण करके आज शाम से हल्के वाहनों के लिए खोलने का निर्देश दिया है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि निरीक्षण के दौरान गैप स्लैब वाले हिस्से में कंक्रीट खराब होने, दरारे आने और लोहे की सरियों के खुले होने जैसी समस्याएं सामने आई थीं। इसी कारण सुरक्षा के मद्देनजर यहां यातायात अस्थायी रूप से बंद किया गया था। उन्होंने कहा कि आवश्यक मरम्मत का कार्य पूरा कर

ट्रक पलटने से आउटर रिंग रोड पर बाइक सवार युवक की मौत

लखनऊ। बख्शी का तालाब (बीकेटी) थाना क्षेत्र में आउटर रिंग रोड पर हुए सड़क हादसे में मोटरसाइकिल सवार युवक की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार में आ रहा ट्रक अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिल पर पलट गया। ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। मृतक की पहचान लालपुर निवासी नन्हऊ (35) के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा अचानक हुआ। ट्रक के अनियंत्रित होकर पलटने के कारण मोटरसाइकिल सवार को संभलने का मौका नहीं मिल सका। घटना के बाद आसपास से गुजर रहे राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी।

श्री पब्लिक बाल रामलीला में धनुष यज्ञ और श्रीराम विवाह का भव्य मंचन, परशुराम-लक्ष्मण संवाद ने बांधा समां

लखनऊ। श्री पब्लिक बाल रामलीला समिति की ओर से चौक स्थित रामलीला ग्राउंड, लोहिया पार्क में आयोजित 90वें वार्षिक श्री रामलीला महोत्सव में धनुष यज्ञ, रावण-बाणासुर संवाद, परशुराम-लक्ष्मण संवाद तथा प्रभु श्रीराम और माता सीता के विवाह की भव्य लीलाओं का मंचन किया गया। धार्मिक प्रसंगों के सजीव मंचन ने दर्शकों को भक्तिभाव से सराबोर कर दिया। राम विवाह के दौरान पूरा पंडाल जय श्रीराम के उद्घोष से गुंज उठा।

धनुष यज्ञ प्रसंग में मिथिला नरेश जनक के दरबार में देश-विदेश से अनेक राजा भगवान शिव के दिव्य धनुष को उठाने और प्रत्यंचा चढ़ाने के उद्देश्य से पहुंचे। एक-एक कर सभी राजाओं ने धनुष उठाने का प्रयास किया, लेकिन कोई भी उसे हिला तक नहीं सका। राजाओं की असफलता से राजा जनक चिंतित हो उठे। इसके बाद महर्षि विश्वामित्र की आज्ञा पाकर प्रभु श्रीराम ने सहज

महर्षि वाल्मीकि आश्रम में सीएम ने की पूजा-अर्चना

लखनऊ। महर्षि वाल्मीकि जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कानपुर के बिटूर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और महर्षि वाल्मीकि को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया। दो महंतों ने पूजन संपन्न कराया। लव-कुश आश्रम स्थित गुरुकुल के सात बटुकों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत किया, जिससे आश्रम परिसर भक्तिमय हो गया। मुख्यमंत्री ने आश्रम में स्थित उस प्राचीन शिवलिंग की भी पूजा की, जिसके बारे में

जानकारी मिलते ही बीकेटी थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेने के साथ ही हादसे की जानकारी जुटाई। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। पुलिस ने क्षतिग्रस्त मोटरसाइकिल और ट्रक के संबंध में भी जानकारी जुटाई है। बीकेटी थाना प्रभारी संजय कुमार ने बताया कि हादसे में जान गंवाने वाले युवक के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। हादसा किस वजह से हुआ, ट्रक की रफ्तार कितनी थी और चालक से नियंत्रण कैसे छूटा, इन बिंदुओं पर भी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की स्थिति और स्पष्ट होगी। पुलिस ने घटना से जुड़ेतथ्यों और प्रत्यक्षदर्शियों की जानकारी भी जुटानी शुरू कर दी है।

श्री पब्लिक बाल रामलीला में धनुष यज्ञ और श्रीराम विवाह का भव्य मंचन, परशुराम-लक्ष्मण संवाद ने बांधा समां

भाव से धनुष उठाकर प्रत्यंचा चढ़ाई, जिससे धनुष टूट गया। धनुष टूटते ही पूरा पंडाल जय श्रीराम के उद्घोष से गुंज उठा और श्रद्धालुओं ने हर्ष व्यक्त किया।



इससे पहले रावण-बाणासुर संवाद का प्रभावशाली मंचन किया गया। रावण के रूप में अंशुल वर्मा और बाणासुर के रूप में रोहन त्रिपाठी ने अपने अभिनय से प्रसंग को जीवंत बनाया। वहीं, परशुराम-लक्ष्मण संवाद के दौरान दोनों पात्रों के बीच मान्यता है कि महर्षि वाल्मीकि इसकी आराधना किया करते थे। इसके बाद उन्होंने सीता कुटिया में दर्शन किए और परिसर में स्थित प्राचीन पीलू के वृक्ष के भी दर्शन किए।आश्रम में पूजा-अर्चना और धार्मिक स्थलों के दर्शन के बाद मुख्यमंत्री नानाराव पेशवा पार्क पहुंचे। यहां आयोजित जनसभा में उन्होंने क्षेत्र के विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बिटूर स्थित महर्षि वाल्मीकि आश्रम पहुंचकर धार्मिक परंपराओं के अनुसार पूजा-अर्चना की।

शॉपर्स स्टॉप ने लखनऊ में पेश किया दिवाली फैशन कलेक्शन

लखनऊ : भारत के प्रीमियम फैशन, ब्यूटी और गिफ्ट'ग डेस्टिनेशन शॉपर्स स्टॉप ने लखनऊ के फ़ीनिक्स पलासियो में एक विशेष फैशन शोकेस के माध्यम से दिवाली के उत्सवी रंगों को जीवंत किया। इस शोकेस में दिवाली के विभिन्न अवसरों के लिए तैयार किए गए आकर्षक फेस्टिव कलेक्शन को प्रस्तुत किया गया, जिसमें आधुनिक फैशन और पारंपरिक परिधानों का खूबसूरत मेला देखने को मिला दिवाली के विभिन्न रंगों और उत्सव के अलग-अलग पलों से प्रेरित इस कलेक्शन में चार खास फैशन थीम प्रस्तुत की गईं, जिनमें त्योहार के अलग-अलग अंदाज को दर्शाया गया।'दिवाली होमकमिंग' थीम के तहत कैजुअल वेस्टर्न वियर

प्रस्तुत किया गया, जो त्योहार के दौरान घर लौटने की खुशी और उत्साह को दर्शाता है। वहीं, 'दिवाली गेम नाइट लुक' में पार्टीवियर और मॉडर्न वेस्टर्न स्टाइल्स को रनवे पर प्रस्तुत किया गया, जो दोस्तों और परिवार के साथ उत्सव की शामों के ग्लैमर और मस्ती को दर्शाते हैं। 'फैमिली गेट-टुगेदर लुक' में प्यूजन और इंडो-वेस्टर्न परिधानों को प्रस्तुत किया गया, जिनमें मॉडर्न डिजाइनों के साथ पारंपरिक उत्सवी अंदाज का समावेश है। वहीं, 'फेस्टिव सेलिब्रेशन एडिट' में इंडियन एथनिक वियर की पारंपरिक खूबसूरती को प्रदर्शित किया गया, जो भव्य उत्सवों और विशेष अवसरों के लिए उपयुक्त हैं। इन चारों फैशन

इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 312 की जिला रैली एवं क़ड मीट 'मंजरी' में खिले सेवा, मित्रता और एकजुटता के फूल

लखनऊ। इनरव्हील क्लब ऑफ लखनऊ अभ्युदय द्वारा डिस्ट्रिक्ट रैली एवं क़ड मीट 'मंजरी' का भव्य आयोजन सेवा, सहयोग, मानवता और महिला सशक्तिकरण के संदेश के साथ किया गया। पर्यावरण संरक्षण की थीम के साथ आयोजित इस कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट के विभिन्न क्लबों की सदस्याओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि इंटरनेशनल इनरव्हील की वाइस प्रेसिडेंट सुश्री सरिता लुनानी जी तथा डिस्ट्रिक्ट 312 की डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन श्रीमती मधु कमानी जी की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ सेवा भावना को समर्पित विभिन्न

सामाजिक परियोजनाओं के साथ किया गया। समाज के प्रति अपनी



जिम्मेदारी निभाते हुए 20 उठउ कैंडेट्स को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं उनकी सुरक्षा के उद्देश्य से हेलमेट प्रदान किए गए। वहीं, मानवता और संवेदनशीलता

का परिचय देते हुए ज़रूरतमंदों की सहायता के लिए 35 व्हीलचेयर दान

रचनात्मकता और आपसी सौहार्द को प्रोत्साहित करने वाली गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। साथ ही डिस्ट्रिक्ट ई-मैगजीन और होस्ट क्लब की न्यूज बुलेटिन का भी विमोचन हुआ। होस्ट क्लब इनरव्हील क्लब ऑफ लखनऊ अभ्युदय की अध्यक्ष डॉ. मीनू कृपाल एवं सचिव पायल मेदीरत्ता ने मुख्य अतिथि, डिस्ट्रिक्ट के सभी पदाधिकारियों तथा सहभागी सदस्याओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग एवं सहभागिता से ही ये आयोजन सफल एवं यादगार बन सका। उन्होंने समाजसेवा, आपसी सौहार्द और जनकल्याण के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई।

की गई, ताकि दिव्यांगजनों को आवागमन में सुविधा मिले और वे अधिक आत्मनिर्भर बन सकें।

कार्यक्रम में डिस्ट्रिक्ट रैली के साथ क़ड मीट के अंतर्गत प्रतिभा,

तीन बदमाश गिरफ्तार, 10 मोबाइल बरामद

नोएडा। नोएडा में मोबाइल चोरी और छीनने वाले तीन बदमाशों को सेक्टर-24 थाना पुलिस ने रविवार को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से अलग-अलग कंपनियों के 10 मोबाइल फोन, 3 हजार रुपये और तीन अवैध चाकू बरामद हुए हैं। पुलिस के मुताबिक, आरोपी दिल्ली-एनसीआर में भीड़भाड़ वाली जगहों पर लोगों की जेब से मोबाइल चोरी करते थे। इसके अलावा राह चलते लोगों से मोबाइल छीनने की वारदात भी करते थे। एडीसीपी अभय कुमार मिश्र ने बताया कि सेक्टर-24 थाना पुलिस की टीम नोएडा स्टेडियम के गेट नंबर-4 के पास संदिग्ध लोगों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान मोदी मॉल की तरफ से तीन लोग पैदल आते दिखाई दिए। पुलिस को चेकिंग करते देखकर तीनों पीछे मुड़कर तेजी से चलने लगे। शक होने पर पुलिस ने उन्हें घेरकर पकड़ लिया। तलाशी लेने पर उनके पास से 10 मोबाइल फोन और तीन चाकू मिले। आरोपियों

की पहचान दिल्ली के पुरानी दिल्ली निवासी विक्की (43), सीलमपुर निवासी जाकिर (48) और गाजियाबाद के साहिबाबाद निवासी मोहम्मद जाकिर (38) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, विक्की के पास से पांच मोबाइल फोन और 2 हजार रुपये मिले। जाकिर के पास से तीन मोबाइल और एक हजार रुपये बरामद हुए। तीसरे आरोपी मोहम्मद जाकिर के पास से दो मोबाइल मिले। पूछताछ में विक्की और जाकिर ने बताया कि करीब 8 से 10 दिन पहले उन्होंने सेक्टर-34 की सर्विस रोड पर ऑटो में बैठी एक महिला का आईफोन चोरी किया था। बाद में उन्होंने इसे राह चलते एक व्यक्ति को बेच दिया। पुलिस के मुताबिक, बरामद 3 हजार रुपये इसी फोन को बेचने के बाद बची रकम है। बाकी पैसे आरोपियों ने खर्च कर दिए थे। पुलिस का कहना है कि आरोपी पहले भी कई वारदात कर चुके हैं। अब बरामद मोबाइल फोन के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

पुलिस की गोली से गोवध का आरोपी घायल, एक बदमाश फरार

अक्टूबर की मध्यरात्रि दनकौर थाना पुलिस की टीम क्षेत्र में चेकिंग और गश्त कर रही थी। इसी दौरान सेक्टर-18 के जंगल में स्थित पंकित-5सी पार्क के पास एक मोटरसाइकिल के नजदीक दो संदिग्ध व्यक्ति खड़े दिखाई दिए। पुलिस टीम ने टॉर्च की रोशनी डालकर उन्हें रोकने का प्रयास किया तो दोनों भागने लगे। इसी दौरान बदमाशों ने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से गोली चला दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें संजू के पैर में गोली लग गई। उसका दूसरा साथी मौके से भाग निकला।

गोली चला दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें संजू के पैर में गोली लग गई। उसका दूसरा साथी मौके से भाग निकला।

गोली चला दी। पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की, जिसमें संजू के पैर में गोली लग गई। उसका दूसरा साथी मौके से भाग निकला।

मिश्रा ने कहा, "दिवाली खुशियों, अपनों को गिफ्ट देने और नई शुरुआत का एक महत्वपूर्ण अवसर है। शॉपर्स स्टॉप में हमारा मानना है कि सही चुनाव इन खास पलों को और भी यादगार बना सकते हैं। 'गिफ्ट्स ऑफ लव' पहल के माध्यम से हम ग्राहकों की विविध ज़रूरतों को ध्यान में रखते हुए चुनिंदा प्रोडक्ट्स और लाइफस्टाइल से जुड़े विकल्पों का कलेक्शन प्रस्तुत करते हैं। हमारा उद्देश्य ग्राहकों को उनकी पसंद और अवसर के अनुरूप गिफ्ट चुनने की सुविधा प्रदान करना है, साथ ही उन्हें प्रीमियम और सहज शॉपिंग एक्सपीरियंस उपलब्ध कराना है। एक ब्रांड के रूप में हम शॉपर्स स्टॉप को फेस्टिव शॉपिंग के लिए ग्राहकों का पसंदीदा डेस्टिनेशन बनाने

के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहां क्वालिटी, चाँइस और बेहतर कस्टमर एक्सपीरियंस का संगम हो।"शॉपर्स स्टॉप का यह फेस्टिव कलेक्शन देशभर के शॉपर्स स्टॉप स्टोर्स और ऑनलाइन उपलब्ध है। ग्राहक 500 से अधिक प्रीमियम ब्रांड्स के अपैरल, ब्यूटी प्रोडक्ट्स, फ्रेगरेंस, वॉचेज, हैंडबैग्स, सनग्लासेस, फुटवियर और एक्सेसरीज की जुनिंदा रेंज में से अपनी पसंद के प्रोडक्ट्स चुन सकते हैं।

पर्सनल शॉपर सर्विसेज, विशेष फर्स्ट सिटिजन क्लब प्रिविलेज और प्रीमियम ब्रांड्स की विस्तृत रेंज के साथ शॉपर्स स्टॉप फैशन, ब्यूटी और लाइफस्टाइल को एक विशेष शॉपिंग एक्सपीरियंस के रूप में प्रस्तुत करना जारी रखे हुए है।

शहर की राजनन्दिनी ने राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता जीती

लखनऊ। कानून की पढ़ायी कर रही लखनऊ की राजनंदिनी तिवारी ने एक बार फिर शहर का नाम रोशन करते हुये चतुर्थ राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता जीत ली। राजनन्दिनी ने चार्वी शर्मा के साथ मिलकर बनस्थली विद्यापीठ की ओर से प्रतियोगिता के ग्राण्ड फिनाले में शानदार प्रदर्शन करते हुये विजेता होने का गौरव प्राप्त किया। सीजीसी यूनिवर्सिटी मोहाली द्वारा आयोजित हुयी इस प्रतियोगिता में विजेता होने पर बनस्थली की टीम राजनन्दिनी और चार्वी को ट्रॉफी के साथ 51,000 रुपये का नकद पुरस्कार मिला। बेस्ट मेमोरियल का पुरस्कार क्राइस्ट बेंगलुरु को और रनर-अप आर्मी इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ मोहाली को मिला। यह जीत बनस्थली और लखनऊ के लिए गर्व का क्षण है। इससे पहले राजनंदिनी तिवारी ने अपनी टीम की सदस्यों के साथ मिलकर इससे पहले जयपुर में बीते अगस्त में एसजीवीयू रंका नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल किया था।

आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई

बांदा। परसौली न्याय पंचायत की ग्राम पंचायत दतौरा में आदिकवि महर्षि वाल्मीकि जयंती मनाई गई। विष्व हिंदू महासंघ के पदाधिकारियों ने ग्राम देवता श्री तुलसी बाबा पर पूजा-अर्चना के साथ यह आयोजन किया। महासंघ के गौरक्षा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक श्यामलाल यादव के नेतृत्व में ग्राम इकाई के पदाधिकारियों ने एकजुट होकर संकीर्तन किया। इस दौरान जाति-पाति और ऊंच-नीच के भेदभाव को मानवता से मिटाने का संदेश दिया गया। उत्तर प्रदेश सरकार ने 26 अक्टूबर को महर्षि वाल्मीकि जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया था। इस कार्यक्रम में जिला संयोजक श्यामलाल यादव, ग्राम अध्यक्ष लालजी यादव, धर्माचार्य प्रकोष्ठ तहसील अध्यक्ष विरजेशपुरी महाराज, संगीत गुरु फूलचंद्र यादव, भगवानदास यादव, चंद्रभान कुशवाहा (एसएसआई), जयकरण यादव, सौरभ यादव, भोला, नरेंद्र कुमार कुशवाहा, रमनिहोर वर्मा और गुलाब कुशवाहा सहित कई लोग मौजूद रहे।

आवारा कुत्ते को बचाने में बाइक फिसली,चाचा-भतीजा घायल

बांदा। जिले के तिंदवारी में पपरेंदा-तिंदवारी मार्ग पर सोमवार दोपहर एक हादसा हो गया। आवारा कुत्ते को बचाने के चक्कर में बाइक अनियंत्रित होकर फिसल गई, जिससे चाचा-भतीजा घायल हो गए। भुजौली गांव निवासी अरविंद (34) अपने भतीजे सुधीर (25) के साथ जसपुरा से लौट रहे थे। मिरगहनी गांव के पास अचानक एक कुत्ता बाइक के सामने आ गया। कुत्ते से टकराने के बाद बाइक फिसलकर पलट गई। राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तिंदवारी ले जाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है।

जिला पंचायत अध्यक्ष ने आवास पर सुनी ग्रामीणों की समस्याएं

बांदा। जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील कुमार पटेल ने सोमवार को बबेरू स्थित अपने आवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने अलग-अलग इलाकों से आए ग्रामीणों और क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं। ग्रामीणों ने अपनी दिक्कतें अध्यक्ष को बताईं। सुनील कुमार पटेल ने तुरंत संबंधित अधिकारियों को उनके समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोगों की समस्याओं को हल करना उनकी प्राथमिकता है। अध्यक्ष ने कहा कि जनप्रतिनिधि होने के नाते जनता की समस्याएं सुनना और उन्हें हल करना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने यह भी कहा कि पात्र लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने की पूरी कोशिश करेंगे। सुनील कुमार पटेल ने अपना संकल्प दोहराया, आपकी समस्याओं का समाधान, हमारा संकल्प। उन्होंने कहा कि जनसेवा के जरिए क्षेत्रवासियों की समस्याओं को हल करना और इलाके के विकास को तेज करना उनकी प्राथमिकता है।

बाइक हादसे में दो महिलाएं गंभीर घायल

बांदा। परसौली न्याय पंचायत के बेरौव गांव में आज दोपहर कॉलेज के सामने शिवम ढाबा के पास एक सड़क हादसा हुआ। कमासिन से आ रही एक बाइक सड़क पार कर रहे बच्चे को बचाने के चक्कर में अचानक ब्रेक लगाने से अनियंत्रित होकर गिर गई। इस हादसे में बाइक सवार और उस पर बैठी दो महिलाएं गंभीर घायल हो गईं। घायलों को बेरौव के एक प्राइवेट स्वास्थ्य केंद्र में शुरुआती इलाज के बाद बबेरू सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। बताया गया कि एक महिला के हाथ में फ्रैक्चर आया है। घायल दतौरा निवासी रामबाबू वर्मा की बहन और उनके बहनोई रिकू वर्मा थे, जो कन्या भोज में शामिल होने आ रहे थे। रामबाबू वर्मा के परिवार पर चार दिन पहले ही दुख आया था, जब उनके एक बेटे ने लुधियाना में आत्मदाह कर लिया था।

भाषा विश्वविद्यालय में वाल्मीकि रामायण पर व्याख्यान

लखनऊ। राजधनी में वाल्मीकि जयंती पर ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग ने कुचयति प्रो. अजय तनेजा के संरक्षण में 'महाकाव्य के रूप में वाल्मीकि रामायणरू ऐतिहासिक विमर्श' विषय पर व्याख्यान आयोजित किया। इसमें आईजी अमित वर्मा ने रामायण के ऐतिहासिक पक्षों पर विचार रखे। आयोजक एवं विभागाध्यक्ष डॉ. पूनम चौधरी ने रामायण को प्राचीन भारत की सामाजिक संरचना, संस्कृति और राजनीति को समझने का महत्वपूर्ण स्रोत बताया। समन्वयक डॉ. मनीष कुमार ने इसकी समकालीन प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। अमित वर्मा ने कालक्रम, पाट्य संरचना और इतिहासलेखन पर चर्चा करते हुए पुरातात्विक साक्ष्यों तथा खगोलीय विवरणों के आधार पर ऐतिहासिक दृष्टिकोणों का विश्लेषण किया। व्याख्यान में साहित्य, लोकगीतन, नारी विमर्श, सिनेमा, जैव विविधता और निषादों व वनवासी समुदायों के प्रतिनिधित्व पर विमर्श हुआ। प्रश्नोत्तर सत्र में पाट्य भिन्नताओं और शोध पद्धतियों पर चर्चा हुई।

[कर्ज से विकास की कवायद] संपत्ति व जलकर वसूलने में पिछड़ा निगम, अब ऋण लेकर करेगा विकास

1,110 करोड़ रुपए बकाया, सात महीने में केवल 16.84 प्रतिशत हो पाई वसूली

भोपाल (नगर संवाददाता)

नगर निगम के खजाने में पैसा जुटाने की चुनौती के बीच योजनाओं के लिए कर्ज लेने की तैयारी है। शनिवार को निगम परिषद ने अमृत योजना के तहत 493.49 करोड़ रुपये का कर्ज लेने का प्रस्ताव पारित किया, जबकि निगम अपनी ही कर वसूली में पिछड़ रहा है। संपत्तिकर और जलकर के रूप में 1,334.76 करोड़ रुपये वसूलने हैं, लेकिन 13 अक्टूबर तक केवल 224.80 करोड़ रुपये ही वसूल हो पाए। यानी 1,109.96 करोड़ रुपये की वसूली अब भी बाकी है। सबसे गंभीर स्थिति पुराने बकाये की है। करीब 922.59 करोड़ रुपये के पुराने बकाये में से निगम केवल 36.66 करोड़ रुपये ही वसूल पाया। यह कुल पुराने बकाये का महज 3.97 प्रतिशत है। ऐसे में सवाल उठता है कि विकास कार्यों के लिए कर्ज लेने के साथ-साथ निगम अपनी बकाया आय वसूलने में तेजी लाने के लिए क्या कदम उठा रहा है।

पुराने बकाये के हर 100 रुपये में से सिर्फ 4 रुपये वसूल-निगम के सामने सबसे बड़ी चुनौती पुराने बकाये की वसूली है। संपत्तिकर के 597.30 करोड़ रुपये पुराने बकाये में से केवल 28.32 करोड़ रुपये वसूल हुए। जलकर के 325.29 करोड़ रुपये पुराने बकाये

पुराने बकाये के 923 करोड़ में से मिले महज 37 करोड़ रुपए

1,335 करोड़ की मांग, खाते में आए सिर्फ 225 करोड़

नगर निगम की 13 अक्टूबर 2026 तक की मांग और वसूली रिपोर्ट के अनुसार, संपत्तिकर की कुल मांग 913.27 करोड़ रुपये और जलकर की 421.49 करोड़ रुपये थी। दोनों को मिलाकर कुल मांग 1,334.76 करोड़ रुपये होती है। इसके मुकाबले 224.80 करोड़ रुपये वसूल किए गए। करीब 1,109.96 करोड़ रुपये की वसूली अभी बाकी है। संपत्तिकर में 913.27 करोड़ रुपये की मांग पर 176.55 करोड़ रुपये वसूल हुए। वहीं, जलकर की 421.49 करोड़ रुपये की मांग के मुकाबले केवल 48.25 करोड़ रुपये मिले। यानी संपत्तिकर में 19.33 प्रतिशत और जलकर में 11.45 प्रतिशत वसूली हुई। दोनों करों में जलकर की वसूली संपत्तिकर से काफी पीछे है।

■ कुल बकाया राशि: 1,109.96 करोड़

■ कुल वसूली का प्रतिशत: 16.84 फीसदी

■ अमृत योजना के तहत कर्ज का

वार्डवार आंकड़ों में भी बड़ा अंतर

वार्डवार आंकड़े बताते हैं कि एक ही विधानसभा क्षेत्र के भीतर भी वसूली का स्तर काफी अलग है। गोविंदपुरा के वार्ड क्रमांक 54 में 10.20 करोड़ रुपये की संपत्तिकर मांग के मुकाबले करीब 5.47 करोड़ रुपये वसूल हुए। वहीं, उत्तर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 में 53.14 करोड़ रुपये की संपत्तिकर मांग के मुकाबले केवल 69.69 लाख रुपये वसूल हुए। जलकर में गोविंदपुरा के वार्ड क्रमांक 65 में लगभग 1.26 करोड़ रुपये की मांग के मुकाबले 81.71 लाख रुपये वसूल हुए। इसके उलट, उत्तर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 में 6.67 करोड़ रुपये की जलकर मांग के मुकाबले केवल 36.42 लाख रुपये वसूल किए गए।

■ जलकर में सबसे कम वसूली: उत्तर विधानसभा क्षेत्र—5.67%

■ जलकर में सबसे अधिक वसूली: गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र—20.30 प्रतिशत।

विवरण	मांग	वसूली	खास बात
संपत्तिकर	913.27 करोड़	176.55 करोड़	निगम की 1,334.76 करोड़ रुपये की कुल कर मांग में से
जलकर	421.49 करोड़	48.25 करोड़	अब तक 224.80 करोड़ रुपये ही वसूले गए हैं।
कुल	1,334.76 करोड़	224.80 करोड़	1,109.96 करोड़ रुपये की वसूली बाकी है।
पुराने बकाये	922.59 करोड़	36.66 करोड़	
चालू मांग	412.16 करोड़	188.13 करोड़	

अन्य प्रमुख आंकड़े

प्रस्ताव: 493.49 करोड़

■ संपत्तिकर में सबसे कम वसूली: उत्तर विधानसभा क्षेत्र—7.53%

■ संपत्तिकर में सबसे अधिक वसूली: गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र—26.63 प्रतिशत

में से महज 8.34 करोड़ रुपये ही मिले। दोनों को मिलाकर 922.59 करोड़ रुपये के पुराने बकाये में से सिर्फ 36.66 करोड़ रुपये वसूल हो पाए। यानी पुराने बकाये की वसूली

3.97 प्रतिशत पर सिमट गई। इसके उलट, चालू मांग से वसूली की स्थिति बेहतर रही। संपत्तिकर की चालू मांग के 315.96 करोड़ रुपये में से 148.22 करोड़ रुपये वसूल

हुए। जलकर की चालू मांग के 96.20 करोड़ रुपये में से 39.91 करोड़ रुपये मिले। दोनों को मिलाकर चालू मांग के 412.16 करोड़ रुपये में से 188.13 करोड़

मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव कलेक्टरों पर जता चुके हैं नाराजगी

स्वामित्व योजना: 10 दिन में हुईं पौने दो लाख रजिस्ट्री, 50 लाख में कई महीने लग जाएंगे

17 सितंबर को हुआ था स्वामित्व योजना का शुभारंभ, पटवारियों ने 12 अक्टूबर से शुरू किया था रजिस्ट्री कराने का कार्य

भोपाल (नगर संवाददाता)

मप्र में स्वामित्व योजना में गांवों में जमीन और मकानों की निशुल्क रजिस्ट्री की रफ्तार धीमी है। योजना में दस दिन में करीब 1.75 लाख रजिस्ट्री की गई हैं। सरकार ने योजना में 50 लाख रजिस्ट्री का लक्ष्य रखा है। यदि रजिस्ट्री की रफ्तार यही रही तो लक्ष्य पूरा करने में महीनों में लग जाएगा। मप्र सरकार ने गत 17 सितंबर को स्वामित्व योजना के शुभारंभ के अवसर पर एक महीने में 50 लाख निशुल्क रजिस्ट्री का लक्ष्य रखा था, लेकिन पटवारियों के रजिस्ट्री प्रक्रिया में शामिल नहीं होने के कारण रजिस्ट्री का कार्य पिछड़ गया था। पटवारियों ने 12 अक्टूबर से रजिस्ट्री कराने की शुरुआत की है। तब से अब तक दस दिन में (छुट्टियों को छोड़कर) करीब 1.75 लाख रजिस्ट्री की गई हैं।

पटवारियों का कहना है कि सर्वर डाउन होने और अन्य प्रशासनिक कार्यों में व्यस्तता के चलते रजिस्ट्री कम हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ.

मोहन यादव और मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल गत बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कलेक्टर-कमिश्नरस, एसपी-आईजी की समीक्षा बैठक में स्वामित्व योजना में कम रजिस्ट्री होने पर कलेक्टरों पर नाराजगी जता चुके हैं। मुख्यमंत्री ने शून्य प्रगति वाले हल्कों की जानकारी मिलने पर रीवा, शहडोल एवं धार जिला कलेक्टर को तत्काल प्रगति लाने के सख्त निर्देश दिए थे। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने भी स्वामित्व योजना में न्यूनतम प्रगति वाले 10 जिलों के कलेक्टरों पर सख्त

सर्वर डाउन होने और पटवारियों के अन्य प्रशासनिक कार्यों में व्यस्तता के चलते स्वामित्व योजना में रजिस्ट्री की रफ्तार धीमी है

नाराजगी जताते हुए फौरन सुधार लाने को कहा था। स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण आबादी क्षेत्र में स्थित मकानों और भूखंडों का आधुनिक ड्रोन तकनीक के माध्यम से सटीक सर्वेक्षण किया जाता है, जिसके आधार पर संपत्ति संबंधी अभिलेख तैयार होते हैं। इन अभिलेखों के आधार पर पात्र ग्रामीणों को स्वामित्व के वैधानिक दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे ग्रामीणों को अपनी संपत्ति का स्पष्ट कानूनी अधिकार प्राप्त होता है, जो बैंक ऋण सहित अन्य वित्तीय सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए एक ठोस आधार प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद काम करने राजी हुए थे पटवारी

बता दें कि पटवारियों ने स्वामित्व योजना के पहले दिन से ही रजिस्ट्री कराने से इनकार कर दिया था। उन्हें मनाने के लिए शासन स्तर पर 10 से ज्यादा उच्च स्तरीय बैठकें आयोजित की गईं। राजस्व मंत्री से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों और पांच मंत्रियों की कमेटी ने पटवारी संघ के प्रतिनिधियों से चर्चा की, लेकिन हर बार बैठक बेनतीजा रही। मुख्य सचिव की चेतावनी, निर्लंबन और बर्खास्तगी जैसी कार्रवाई के बावजूद पटवारी अपनी मांगों पर अड़े रहे। मप्र पटवारी संघ के प्रतिनिधियों की 9 अक्टूबर की रात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ हुई मुलाकात में उनकी मांगों पर सहमति बन गई और पटवारी सोमवार से योजना में रजिस्ट्री कराने को राजी हो गए। उन्होंने 12 अक्टूबर से रजिस्ट्री कराने का काम शुरू कर दिया था। इससे पूर्व पटवारियों के मांगों पर अड़े होने के कारण सरकार ने सख्ती दिखाते हुए करीब 3500 पटवारियों को नोटिस जारी किए थे, 100 से ज्यादा पटवारी निलंबित किए थे और 29 को बर्खास्त किया था।

छिंदवाड़ा टॉप पर, पांडुर्णा जिला सबसे नीचे

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक 21 अक्टूबर की स्थिति में स्वामित्व योजना में छिंदवाड़ा जिला 8,530 रजिस्ट्रियां पूर्ण कर प्रदेश में शीर्ष पर था। इसके बाद रीवा में 7,563, सागर में 7,289, राजगढ़ में 6,285, छतरपुर में 6,128, नरसिंहपुर में 6,042, सतना में 5,620, शिवपुरी में 5,131, विदिशा में 4,850, सिवनी में 4,736, जबलपुर में 4,269 और ग्वालियर में 3,925 रजिस्ट्रियां हुईं, जबकि भोपाल में 967, उमरिया में 903, इंदौर में 883, अनूपपुर में 853, आलीराजपुर में 786, मऊगंज में 689 और पांडुर्णा में 666 रजिस्ट्रियां की गईं।

राज्यसभा के लिए भाजपा नेताओं ने शुरु की दावेदारी

भोपाल, रासं । पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरगन के इस्तीफे से रिक्त हुईं सीट पर भाजपा प्रत्याशी के चयन को लेकर दिल्ली तक मंथन चल रहा है। प्रदेश नेतृत्व संभावित प्रत्याशियों के नामों का फैनल दिल्ली भेजेगा, अंतिम निर्णय संसदीय बोर्ड में होगा।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि पार्टी 31 अक्टूबर तक प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर देगी। राज्यसभा सीट के लिए प्रदेश भाजपा के नेताओं ने भी दावेदारी शुरू कर दी है। लंबे समय से संगठन या सत्ता में अपेक्षित जिम्मेदारी नहीं मिलने से असंतुष्ट वरिष्ठ नेता अपने लिए इसे मौके के तौर पर देख रहे हैं। उन्होंने भोपाल से दिल्ली तक लॉबिंग शुरू कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात कर

चुके हैं। पार्टी के सामने प्रदेश के किसी नेता को अवसर देने और राष्ट्रीय स्तर के किसी चेहरे को मध्य प्रदेश से राज्यसभा भेजने, दोनों विकल्प हैं। प्रत्याशी चयन में संगठनात्मक जरूरतों और राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों की भूमिका अहम हो सकती है। भारत निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। उपचुनाव के लिए नामांकन 26 अक्टूबर से भरे जाएंगे। नामांकन की अंतिम तारीख 2 नवंबर है। नामांकन पत्रों की जांच 3 नवंबर को होगी और उम्मीदवार 5 नवंबर तक नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 12 नवंबर को सुबह 9 से शाम 4 बजे तक होगा। मतगणना उसी दिन शाम 5 बजे से होगी। निर्वाचित सदस्य का कार्यकाल 2 अप्रैल, 2030 तक रहेगा।

अलर्ट खेतों की सुरक्षा के नाम पर तारों में दौड़ाया जा रहा बिजली का करंट, बाघ, तेंदुए से लेकर चीतल तक बन रहे शिकार वन्यजीवों के लिए करंट खतरा , हर वर्ष औसतन 80 शिकार

भोपाल (नगर संवाददाता)

मप्र में जंगलों के आसपास खेतों की सुरक्षा के लिए लगाए जा रहे बिजली के तार वन्यजीवों की जान के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। खेतों में घुसने वाले वन्यप्राणियों को रोकने के लिए तारों में अवैध रूप से करंट दौड़ाया जा रहा है। इसकी चपेट में आकर छोटे वन्यजीवों से लेकर बाघ और तेंदुए जैसे संरक्षित वन्यप्राणी भी जान गंवा रहे हैं। बांधवागढ़ टाइगर रिजर्व से जुड़े धमोखर परिक्षेत्र के महामन गांव में रविवार को करीब दो साल के चीतल की करंट से मौत इसका ताजा उदाहरण है। खेत पर लगाए जीआई तार में करंट दौड़ाया गया था। जंगल से भटककर खेत में पहुंचा चीतल इसकी चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। वन विभाग

की रिपोर्ट में दर्ज आंकड़े इस खतरे की गंभीरता बताते हैं। वर्ष 2014 से 2026 के बीच प्रदेश में फंदे और बिजली के

करंट से वन्यजीवों के शिकार के लगभग 1000 प्रकरण दर्ज किए गए। इनमें 322 जंगली सुअर, 118 नीलगाय, 101 तेंदुए, 82 चीतल, 50 सांभर, 36 भालू, 39 बाघ और 17 मोर की मौत दर्ज की गई। इस तरह से औसतन हर साल करंट और फंदे से 80 वन्यजीवों की जान जा रही है।

इस साल करंट से छह बाघों की मौत

प्रदेश के जंगलों में करंट बाघों के लिए भी बड़ा खतरा बनकर सामने आया है। वन विभाग की पूर्व में जारी चार महीने की रिपोर्ट के मुताबिक छह बाघों की मौत करंट लगने से हुई थी। यानी उस अवधि में दर्ज बाघों की कुल मौतों में करीब 21 प्रतिशत मामले करंट से जुड़े थे। इसी रिपोर्ट में नौ बाघों की मौत आपसी संघर्ष से होने की जानकारी भी सामने आई थी। वन्यजीवों के लिए खतरा केवल टाइगर रिजर्व के भीतर तक सीमित नहीं है। रिजर्व से लगे सामान्य वनमंडलों और गांवों के आसपास भी वन्यप्राणियों की आवाजाही रहती है। भोजन और पानी की तलाश में जंगल से बाहर निकलने वाले वन्यजीव खेतों तक पहुंचते हैं। ऐसे में खेतों की सुरक्षा के लिए लगाए गए तारों में अवैध करंट उनके लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

शिकार रोकने चलाना पड़ा ऑपरेशन वाइल्ड ट्रैप

करंट और फंदों से होने वाले अवैध शिकार पर अंकुश लगाने के लिए वन विभाग ने ऑपरेशन वाइल्ड ट्रैप चलाया था। विभागीय निर्देशों के अनुसार, 10 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक ऑपरेशन वाइल्ड ट्रैप-द्वितीय को मिशन मोड में संचालित करने की योजना बनाई गई थी। इसके तहत प्रदेश के वन क्षेत्रों में दिन और रात में गश्त, संदिग्ध स्थानों की तलाशी और डोंग स्वॉच की मदद से निगरानी करने के निर्देश दिए गए थे। इससे पहले एक दिसंबर 2024 से 31 जनवरी 2025 तक चलाए गए अभियान में विभागीय जाकादरी के अनुसार 931 प्रकरण दर्ज हुए थे और 429 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

खेतों की सुरक्षा व वन्यजीव संरक्षण के बीच चुनौती

महामन गांव में चीतल की मौत के बाद वन विभाग ने मामले की जांच शुरू की है। धमोखर परिक्षेत्र अधिकारी सचिन सिंह के अनुसार, खेत मालिक की पहचान की जा रही है। मृत चीतल का पोस्टमार्टम कराने के बाद नियमानुसार अंतिम संस्कार कर दिया गया। जंगलों के आसपास अवैध रूप से करंट वाले तार लगाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए निगरानी, दक्षियों की पहचान और स्थानीय लोगों में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। खेतों में फसल बचाने के लिए लगाए गए तार यदि जानलेवा करंट से जुड़े हों, तो वे वन्यजीवों के साथ ग्रामीणों के लिए भी खतरा पैदा कर सकते हैं। ऐसे में वन विभाग के सामने चुनौती केवल शिकार के मामलों में कार्रवाई करने की नहीं, बल्कि जंगलों की सीमा से लगे क्षेत्रों में इस तरह के जोखिम को रोकने की भी है।

भोपाल में बनेगा बस परिवहन का कमान एवं नियंत्रण केंद्र

- 2030-31 तक प्रदेश में 15 हजार बसें चलाने का लक्ष्य
- सात क्षेत्रीय कार्यालयों से होगी निगरानी

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश में बस परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और सुरक्षित बनाने के लिए मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एवं अधोसंरचना लिमिटेड के मुख्यालय में कमान एवं नियंत्रण केंद्र स्थापित किया जा रहा है। भोपाल के स्मार्ट सिटी परिषद में बनने वाले इस केंद्र से प्रदेशभर में संचालित बसों की निगरानी की जाएगी। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के प्रभावी संचालन के लिए सात क्षेत्रीय कंपनियों के कार्यालयों की स्थापना और विस्तार की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। सरकार ने वर्ष 2030-31 तक प्रदेश में लगभग 15 हजार बसें चलाने का लक्ष्य रखा है।

बता दें कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 25 सितंबर 2026 को मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का शुभारंभ किया था।

भोपाल स्थित मुख्यालय के नियंत्रण केंद्र में लगभग 150 अधिकारियों और कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था होगी। यहां से क्षेत्रीय कंपनियों के साथ समन्वय कर बस संचालन, यात्री सुरक्षा और परिवहन सेवाओं पर नजर रखी जाएगी।

सात शहरों में बनेंगे क्षेत्रीय कार्यालय

बसों के संचालन और निगरानी के लिए भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, सागर और रीवा में क्षेत्रीय कार्यालय विकसित किए जा रहे हैं। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड का कार्यालय अंतरराज्यीय बस टर्मिनल में बनाया जा रहा है। यहां से भोपाल सहित नर्मदापुरम, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, हरदा और बेतूल जिलों की बसों की निगरानी होगी। इंदौर और उज्जैन के क्षेत्रीय कार्यालयों का काम जनवरी 2027 तक पूरा होने की संभावना है। जबलपुर और ग्वालियर के कार्यालय 31 मार्च 2027 तक तैयार करने का लक्ष्य है। सागर में कार्यालय 28 फरवरी 2027 तक पूरा करने की योजना है, जबकि रीवा में भी 31 मार्च 2027 तक कार्यालय तैयार होने की संभावना है।

अंतरराज्यीय बसों पर नजर

क्षेत्रीय कंपनियों के माध्यम से नगरों के भीतर, अंतरनगरीय और अंतरराज्यीय बस सेवाओं का संचालन किया जाएगा। प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय अपने निर्धारित जिलों में बसों की निगरानी, सुरक्षा और संचालन व्यवस्था सभालेगा।

मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि जयंती पर किया नमन

मुख्यमंत्रीने आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि महर्षि वाल्मीकि की कृतियां श्रद्धा-भक्ति के अनंत सागर के समान हैं।

कोर्ट पेशी पर हथकड़ी में आया आरोपी फोन से बात करते दिखा

आरोपी का सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

भोपाल (नगर संवाददाता)

पुलिस नशे से दूरी बनाए रखने का संदेश देती है, लेकिन भोपाल में कोर्ट पेशी के दौरान एक आरोपी के सिगरेट पीने और मोबाइल पर बातचीत करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। 25 अक्टूबर को वायरल हुए इस वीडियो में आरोपी हथकड़ी पहने सिगरेट पीता और मोबाइल पर बात करता नजर आ रहा है।

इस दौरान वीडियो में दो प्रधान आरक्षक भी नजर आ रहे हैं। इनमें से एक प्रधान आरक्षक पान की गुमटी पर पैसे देते दिखाई दे रहा है, जबकि एक महिला आरोपी से बातचीत करती नजर आ रही है। कोर्ट पेशी के दौरान आरोपी की सुरक्षा और निगरानी की जिम्मेदारी पुलिसकर्मियों की होती है। ऐसे में हथकड़ी पहने आरोपी का खुलेआम सिगरेट पीना और मोबाइल पर बातचीत करना कई सवाल खड़े करता है। वीडियो सामने आने के बाद यह सवाल भी उठ रहा है कि पुलिस अभिरक्षा में आरोपी को मोबाइल इस्तेमाल करने की अनुमति कैसे मिली और उसकी निगरानी किस तरह की जा रही थी।

वरिष्ठ अधिकारियों तक पहुंचा वीडियो

बताया जा रहा है कि वीडियो में दिखाई दे रहे प्रधान आरक्षक कमला नगर थाना क्षेत्र से संबंधित हैं और आरोपी भी इसी थाने का है। वीडियो वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों तक पहुंचने की जानकारी सामने आई है। हालांकि इस मामले में संबंधित अधिकारियों की ओर से किसी कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

डॉ. यादव ने स्वतंत्रता सेनानी गणेश शंकर विद्यार्थी का किया स्मरण

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वतंत्रता सेनानी और भारतीय पत्रकारिता के पुरोधा गणेश शंकर विद्यार्थी को जयंती पर स्मरण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि गणेश शंकर विद्यार्थी का व्यक्तित्व देशभक्ति-प्रखर चिंतन और कर्तव्यनिष्ठा को त्रिवेणी था।

●●●●

●●●●

●●●●

[कर्ज से विकास की कवायद] संपत्ति व जलकर वसूलने में पिछड़ा निगम, अब ऋण लेकर करेगा विकास

1,110 करोड़ रुपए बकाया, सात महीने में केवल 16.84 प्रतिशत हो पाई वसूली

भोपाल (नगर संवाददाता)

नगर निगम के खजाने में पैसा जुटाने की चुनौती के बीच योजनाओं के लिए कर्ज लेने की तैयारी है। शनिवार को निगम परिषद ने अमृत योजना के तहत 493.49 करोड़ रुपये का कर्ज लेने का प्रस्ताव पारित किया, जबकि निगम अपनी ही कर वसूली में पिछड़ रहा है। संपत्तिकर और जलकर के रूप में 1,334.76 करोड़ रुपये वसूलने हैं, लेकिन 13 अक्टूबर तक केवल 224.80 करोड़ रुपये ही वसूल हो पाए। यानी 1,109.96 करोड़ रुपये की वसूली अब भी बाकी है। सबसे गंभीर स्थिति पुराने बकाये की है। करीब 922.59 करोड़ रुपये के पुराने बकाये में से निगम केवल 36.66 करोड़ रुपये ही वसूल पाया। यह कुल पुराने बकाये का महज 3.97 प्रतिशत है। ऐसे में सवाल उठता है कि विकास कार्यों के लिए कर्ज लेने के साथ-साथ निगम अपनी बकाया आय वसूलने में तेजी लाने के लिए क्या कदम उठा रहा है।

पुराने बकाये के हर 100 रुपये में से सिर्फ 4 रुपये वसूल-निगम के सामने सबसे बड़ी चुनौती पुराने बकाये की वसूली है। संपत्तिकर के 597.30 करोड़ रुपये पुराने बकाये में से केवल 28.32 करोड़ रुपये वसूल हुए। जलकर के 325.29 करोड़ रुपये पुराने बकाये

पुराने बकाये के 923 करोड़ में से मिले महज 37 करोड़ रुपए

1,335 करोड़ की मांग, छाते में आए सिर्फ 225 करोड़

नगर निगम की 13 अक्टूबर 2026 तक की मांग और वसूली रिपोर्ट के अनुसार, संपत्तिकर की कुल मांग 913.27 करोड़ रुपये और जलकर की 421.49 करोड़ रुपये थी। दोनों को मिलाकर कुल मांग 1,334.76 करोड़ रुपये होती है। इसके मुकाबले 224.80 करोड़ रुपये वसूल किए गए। करीब 1,109.96 करोड़ रुपये के वसूली अभी बाकी है। संपत्तिकर में 913.27 करोड़ रुपये की मांग पर 176.55 करोड़ रुपये वसूल हुए। वहीं, जलकर की 421.49 करोड़ रुपये की मांग के मुकाबले केवल 48.25 करोड़ रुपये मिले। यानी संपत्तिकर में 19.33 प्रतिशत और जलकर में 11.45 प्रतिशत वसूली हुई। दोनों करों में जलकर की वसूली संपत्तिकर से काफी पीछे है।

- कुल बकाया राशि : 1,109.96 करोड़
- कुल वसूली का प्रतिशत : 16.84 फीसदी
- अमृत योजना के तहत कर्ज का

में से महज 8.34 करोड़ रुपये ही मिले। दोनों को मिलाकर 922.59 करोड़ रुपये के पुराने बकाये में से सिर्फ 36.66 करोड़ रुपये वसूल हो पाए। यानी पुराने बकाये की वसूली



फैक्ट फाइल: नगर निगम की कर वसूली 1 अप्रैल से 13 अक्टूबर 2026 तक

विवरण	मांग	वसूली	खास बात
संपत्तिकर	913.27 करोड़	176.55 करोड़	निगम की 1,334.76 करोड़ रुपये की कुल मांग में से अब तक 224.80 करोड़ रुपये ही वसूल गए हैं।
जलकर	421.49 करोड़	48.25 करोड़	1,109.96 करोड़ रुपये की वसूली बाकी है।
कुल	1,334.76 करोड़	224.80 करोड़	
पुराने बकाये	922.59 करोड़	36.66 करोड़	
चालू मांग	412.16 करोड़	188.13 करोड़	

अन्य प्रमुख आंकड़े

प्रस्ताव: 493.49 करोड़	संपत्तिकर में सबसे अधिक वसूली: गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र—26.63 प्रतिशत
संपत्तिकर में सबसे कम वसूली: उत्तर विधानसभा क्षेत्र—7.53%	

3.97 प्रतिशत पर सिमट गई। इसके उलट, चालू मांग से वसूली की स्थिति बेहतर रही। संपत्तिकर की चालू मांग के 315.96 करोड़ रुपये में से 148.22 करोड़ रुपये वसूल

वाईवार आंकड़ों में भी बड़ा अंतर

वाईवार आंकड़े बताते हैं कि एक ही विधानसभा क्षेत्र के भीतर भी वसूली का स्तर काफी अलग है। गोविंदपुरा के वार्ड क्रमांक 54 में 10.20 करोड़ रुपये की संपत्तिकर मांग के मुकाबले करीब 5.47 करोड़ रुपये वसूल हुए। वहीं, उत्तर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 में 53.14 करोड़ रुपये की संपत्तिकर मांग के मुकाबले केवल 69.69 लाख रुपये वसूल हुए। जलकर में गोविंदपुरा के वार्ड क्रमांक 65 में लगभग 1.26 करोड़ रुपये की मांग के मुकाबले 81.71 लाख रुपये वसूल हुए। इसके उलट, उत्तर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 13 में 6.67 करोड़ रुपये की जलकर मांग के मुकाबले केवल 36.42 लाख रुपये वसूल किए गए।

उत्तर विधानसभा में वसूली सबसे कमजोर

विधानसभा क्षेत्रवार आंकड़ों में उत्तर विधानसभा क्षेत्र की स्थिति सबसे कमजोर है। यहां 124.8 करोड़ रुपये की संपत्तिकर मांग के मुकाबले केवल 9.40 करोड़ रुपये वसूल हुए। जलकर में 72.50 करोड़ रुपये की मांग पर महज 4.11 करोड़ रुपये मिले। इसके विपरीत, संपत्तिकर वसूली में गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र आगे रहा। यहां 223.70 करोड़ रुपये की मांग के मुकाबले 59.57 करोड़ रुपये वसूल हुए और वसूली 26.63 प्रतिशत रही। दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में 86.52 करोड़ रुपये की मांग पर 22.22 करोड़ रुपये वसूल हुए, यानी 25.69 प्रतिशत। हुजूर में 170.15 करोड़ रुपये की मांग के मुकाबले 34.20 करोड़ रुपये वसूल हुए और वसूली 20.10 प्रतिशत रही।

रुपये वसूल किए गए। चालू मांग की संयुक्त वसूली करीब 45.65 प्रतिशत रही। इससे स्पष्ट है कि पुराने बकाये की तुलना में चालू करों की वसूली कहीं बेहतर है।

भोपाल में बनेगा बस परिवहन का कमान एवं नियंत्रण केंद्र

■ 2030-31 तक प्रदेश में 15 हजार बसें चलाने का लक्ष्य

■ सात क्षेत्रीय कार्यालयों से होगी निगरानी

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश में बस परिवहन व्यवस्था को आधुनिक और सुरक्षित बनाने के लिए मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एवं अधोसंरचना लिमिटेड के मुख्यालय में कमान एवं नियंत्रण केंद्र स्थापित किया जा रहा है। भोपाल के स्मार्ट सिटी परिसर में बनने वाले इस केंद्र से प्रदेशभर में संचालित बसों की निगरानी की जाएगी। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के प्रभावी संचालन के लिए सात क्षेत्रीय कंपनियों के कार्यालयों की स्थापना और विस्तार की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। सरकार ने वर्ष 2030-31 तक प्रदेश में लगभग 15 हजार बसें चलाने का लक्ष्य रखा है।

बता दें कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 25 सितंबर 2026 को मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का शुभारंभ किया था।

भोपाल स्थित मुख्यालय के नियंत्रण केंद्र में लगभग 150 अधिकारियों और कर्मचारियों के बैठने की व्यवस्था होगी। यहां से क्षेत्रीय कंपनियों के साथ समन्वय कर बस संचालन, यात्री सुरक्षा और परिवहन सेवाओं पर नजर रखी जाएगी।

मुख्यमंत्री ने महर्षि वाल्मीकि जयंती पर किया नमन

मुख्यमंत्री ने आदिकवि महर्षि वाल्मीकि की जयंती पर नमन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि महर्षि वाल्मीकि की कृतियां श्रद्धा-भक्ति के अनंत सागर के समान हैं।



सात शहरों में बनेंगे क्षेत्रीय कार्यालय

बसों के संचालन और निगरानी के लिए भोपाल, इंदौर, उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, सागर और रीवा में क्षेत्रीय कार्यालय विकसित किए जा रहे हैं। भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड का कार्यालय अंतरराज्यीय बस टर्मिनल में बनाया जा रहा है। यहां से भोपाल सहित नर्मदापुरम, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, हरदा और बैतुल जिलों की बसों की निगरानी होगी। इंदौर और उज्जैन के क्षेत्रीय कार्यालयों का काम जनवरी 2027 तक पूरा होने की संभावना है। जबलपुर और ग्वालियर के कार्यालय 31 मार्च 2027 तक तैयार करने का लक्ष्य है। सागर में कार्यालय 28 फरवरी 2027 तक पूरा करने की योजना है, जबकि रीवा में भी 31 मार्च 2027 तक कार्यालय तैयार होने की संभावना है।

अंतरराज्यीय बसों पर नजर

क्षेत्रीय कंपनियों के माध्यम से नगरों के भीतर, अंतरनगरीय और अंतरराज्यीय बस सेवाओं का संचालन किया जाएगा। प्रत्येक क्षेत्रीय कार्यालय अपने निर्धारित जिलों में बसों की निगरानी, सुरक्षा और संचालन व्यवस्था संभालेगा।

मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव कलेक्टरों पर जता चुके हैं नाराजगी

स्वामित्व योजना: 10 दिन में हुई पौने दो लाख रजिस्ट्री, 50 लाख में कई महीने लग जाएंगे

17 सितंबर को हुआ था स्वामित्व योजना का शुभारंभ, पटवारियों ने 12 अक्टूबर से शुरू किया था रजिस्ट्री कराने का कार्य

भोपाल (नगर संवाददाता)

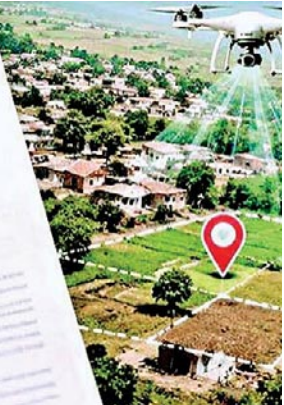
मग्न में स्वामित्व योजना में गांवों में जमीन और मकानों की निशुल्क रजिस्ट्री की रफ्तार धीमी है। योजना में दस दिन में करीब 1.75 लाख रजिस्ट्री की गई हैं। सरकार ने योजना में 50 लाख रजिस्ट्री का लक्ष्य रखा है। यदि रजिस्ट्री की रफ्तार यही रही तो लक्ष्य पूरा करने में महीनों में लग जाएंगे। मग्न सरकार ने गत 17 सितंबर को स्वामित्व योजना के शुभारंभ के अवसर पर एक महीने में 50 लाख निशुल्क रजिस्ट्री का लक्ष्य रखा था, लेकिन पटवारियों के रजिस्ट्री प्रक्रिया में शामिल नहीं होने के कारण रजिस्ट्री का कार्य पिछड़ गया था। पटवारियों ने 12 अक्टूबर से रजिस्ट्री कराने की शुरुआत की है। तब से अब तक दस दिन में (छुट्टियों को छोड़कर) करीब 1.75 लाख रजिस्ट्री की गई हैं।

पटवारियों का कहना है कि सर्वर डाउन होने और अन्य प्रशासनिक कार्यों में व्यस्तता के चलते रजिस्ट्री कम हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ.



मोहन यादव और मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल गत बुधवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से कलेक्टर-कमिशनर्स, एसपी-आईजी की समीक्षा बैठक में स्वामित्व योजना में कम रजिस्ट्री होने पर कलेक्टरों पर नाराजगी जता चुके हैं। मुख्यमंत्री ने शून्य प्रगति वाले हल्कों की जानकारी मिलने पर रीवा, शहडोल एवं धार जिला कलेक्टर को तत्काल प्रगति लाने के सख्त निर्देश दिए थे। मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने भी स्वामित्व योजना में न्यूनतम प्रगति वाले 10 जिलों के कलेक्टरों पर सख्त

सर्वर डाउन होने और पटवारियों के अन्य प्रशासनिक कार्यों में व्यस्तता के चलते स्वामित्व योजना में रजिस्ट्री की रफ्तार धीमी है



नाराजगी जताते हुए फौरन सुधार लाने को कहा था। स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीण आबादी क्षेत्र में स्थित मकानों और भूखंडों का आधुनिक ड्रोन तकनीक के माध्यम से सटीक सर्वेक्षण किया जाता है, जिसके आधार पर संपत्ति संबंधी अभिलेख तैयार होते हैं। इन अभिलेखों के आधार पर पात्र ग्रामीणों को स्वामित्व के वैधानिक दस्तावेज उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इससे ग्रामीणों को अपनी संपत्ति का स्पष्ट कानूनी अधिकार प्राप्त होता है, जो बैंक ऋण सहित

अन्य वित्तीय सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए एक ठोस आधार प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री से मुलाकात के बाद काम करने राजी हुए थे पटवारी

बता दें कि पटवारियों ने स्वामित्व योजना के पहले दिन से ही रजिस्ट्री कराने से इनकार कर दिया था। उन्हें मनाने के लिए शासन स्तर पर 10 से ज्यादा उच्च स्तरीय बैठकें आयोजित की गईं। राजस्व मंत्री से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों और पांच मंत्रियों की कमेटी ने पटवारी संघ के प्रतिनिधियों से चर्चा की, लेकिन हर बार बैठक बेनतीजा रही। मुख्य सचिव की चेतावनी, निलंबन और बर्खास्तगी जैसी कार्रवाई के बावजूद पटवारी अपनी मांगों पर अड़े रहे। मग्न पटवारी संघ के प्रतिनिधियों की 9 अक्टूबर की रात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ हुई मुलाकात में उनका मांगों पर सहमति बन गई और पटवारी सोमवार से योजना में रजिस्ट्री कराने को राजी हो गए। उन्होंने 12 अक्टूबर से रजिस्ट्री कराने का काम शुरू कर दिया था। इससे पूर्व पटवारियों के मागों पर अड़े होने के कारण सरकार ने सख्ती दिखाते हुए करीब 3500 पटवारियों को नोटिस जारी किए थे, 100 से ज्यादा पटवारी निलंबित किए थे और 29 को बर्खास्त किया था।

छिंदवाड़ा टॉप पर, पांडुरंगा जिला सबसे नीचे

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक 21 अक्टूबर की स्थिति में स्वामित्व योजना में छिंदवाड़ा जिला 8,530 रजिस्ट्रियां पूर्ण कर प्रदेश में शीर्ष पर था। इसके बाद रीवा में 7,563, सागर में 7,289, राजगढ़ में 6,285, छतरपुर में 6,128, नरसिंहपुर में 6,042, सतना में 5,620, शिवपुरी में 5,131, विदिशा में 4,850, सिवनी में 4,736, जबलपुर में 4,269 और ग्वालियर में 3,925 रजिस्ट्रियां हुईं, जबकि भोपाल में 967, उमरिया में 903, इंदौर में 883, अनूपपुर में 853, आलीराजपुर में 786, मऊगंज में 689 और पांडुरंगा में 666 रजिस्ट्रियां की गईं।

राज्यसभा के लिए भाजपा नेताओं ने शुरू की दावेदारी

भोपाल, रासं । पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. एल. मुरगन के इस्तीफे से रिक्त हुई सीट पर भाजपा प्रत्याशी के चयन को लेकर दिल्ली तक मंथन चल रहा है। प्रदेश नेतृत्व संभावित प्रत्याशियों के नामों का पैनल दिल्ली भेजेगा, अंतिम निर्णय संसदीय बोर्ड में होगा।

भाजपा सूत्रों का कहना है कि पार्टी 31 अक्टूबर तक प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर देगी। राज्यसभा सीट के लिए प्रदेश भाजपा के नेताओं ने भी दावेदारी शुरू कर दी है। लंबे समय से संगठन या सत्ता में अपेक्षित जिम्मेदारी नहीं मिलने से असंतुष्ट वरिष्ठ नेता अपने लिए इसे मौके के तौर पर देख रहे हैं। उन्होंने भोपाल से दिल्ली तक लॉबींग शुरू कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व से मुलाकात कर

चुके हैं। पार्टी के सामने प्रदेश के किसी नेता को अवसर देने और राष्ट्रीय स्तर के किसी चेहरे को मध्य प्रदेश से राज्यसभा भेजने, दोनों विकल्प हैं। प्रत्याशी चयन में संगठनात्मक जरूरतों और राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों की भूमिका अहम हो सकती है। भारत निर्वाचन आयोग ने उपचुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। उपचुनाव के लिए नामांकन 26 अक्टूबर से भरे जाएंगे। नामांकन की अंतिम तारीख 2 नवंबर है। नामांकन पत्रों की जांच 3 नवंबर को होगी और उम्मीदवार 5 नवंबर तक नाम वापस ले सकेंगे। मतदान 12 नवंबर को सुबह 9 से शाम 4 बजे तक होगा। मतगणना उसी दिन शाम 5 बजे से होगी। निर्वाचित सदस्य का कार्यकाल 2 अप्रैल, 2030 तक रहेगा।

अलर्ट खेतों की सुरक्षा के नाम पर तारों में दौड़ाया जा रहा बिजली का करंट, बाघ, तेंदुए से लेकर चीतल तक बन रहे शिकार वन्यजीवों के लिए करंट खतरा , हर वर्ष औसतन 80 शिकार

भोपाल (नगर संवाददाता)

मग्न में जंगलों के आसपास खेतों की

सुरक्षा के लिए लगाए जा रहे बिजली के तार वन्यजीवों की जान के लिए खतरा बनते जा रहे हैं। खेतों में घुसने वाले वन्यप्राणियों को रोकने के लिए तारों में अवैध रूप से करंट दौड़ाया जा रहा है। इसकी चपेट में आकर छोटे वन्यजीवों से लेकर बाघ और तेंदुए जैसे संरक्षित वन्यप्राणी भी जान गंवा रहे हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से जुड़े धमोखर परिक्षेत्र के महामन गांव में रविवार को करीब दो साल के चीतल की करंट से मौत इसका ताजा उदाहरण है। खेत पर लगाए जीआई तार में करंट दौड़ाया गया था। जंगल से भटककर खेत में पहुंचा चीतल इसकी चपेट में आ गया और उसकी मौत हो गई। वन विभाग

की रिपोर्ट में दर्ज आंकड़े इस खतरे की गंभीरता बताते हैं। वर्ष 2014 से 2026 के बीच प्रदेश में फंदे और बिजली के



करंट से वन्यजीवों के शिकार के लगभग 1000 प्रकरण दर्ज किए गए। इनमें 322 जंगली सूअर, 118 नीलगाय, 101 तेंदुए, 82 चीतल, 50 सांभर, 36 भालू, 39 बाघ और 17 मोर की मौत दर्ज की गई। इस तरह से औसतन हर साल करंट और फंदे से 80 वन्यजीवों की जान जा रही है।

इस साल करंट से छह बाघों की मौत

प्रदेश के जंगलों में करंट बाघों के लिए भी बड़ा खतरा बनकर सामने आया है। वन विभाग की पूर्व में जारी चार महीने की रिपोर्ट के मुताबिक छह बाघों की मौत करंट लगने से हुई थी। यानी उस अवधि में छह बाघों की कुल मौतों में करीब 21 प्रतिशत मामले करंट से जुड़े थे। इसी रिपोर्ट में नौ बाघों की मौत आपसी संघर्ष से होने की जानकारी भी सामने आई थी। वन्यजीवों के लिए खतरा केवल टाइगर रिजर्व के भीतर तक सीमित नहीं है। रिजर्व से लगे सामान्य वनमंडलों और गांवों के आसपास भी वन्यप्राणियों की आवाजही रहती है। भोजन और पानी की तलाश में जंगल से बाहर निकलने वाले वन्यजीव खेतों तक पहुंचते हैं। ऐसे में खेतों की सुरक्षा के लिए लगाए गए तारों में अवैध करंट उनके लिए जानलेवा साबित हो सकता है।

शिकार रोकने चलाना पड़ा ऑपरेशन वाइल्ड ट्रैप

करंट और फंदों से होने वाले अवैध शिकार पर अंकुश लगाने के लिए वन विभाग ने ऑपरेशन वाइल्ड ट्रैप चलाया था। विभागीय निर्देशों के अनुसार, 10 जनवरी से 15 फरवरी 2026 तक ऑपरेशन वाइल्ड ट्रैप-द्वितीय को मिशन मोड में संचालित करने की योजना बनाई गई थी। इसके तहत प्रदेश के वन क्षेत्रों में दिन और रात में गश्त, सड़िंध स्थानों की तलाशी और डॉग स्कॉर्ड की मदद से निगरानी करने के निर्देश दिए गए थे। इससे पहले एक दिसंबर 2024 से 31 जनवरी 2025 तक चलाए गए अभियान में विभागीय जानकारी के अनुसार 931 प्रकरण दर्ज हुए थे और 429 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

खेतों की सुरक्षा व वन्यजीव संरक्षण के बीच चुनौती

महामन गांव में चीतल की मौत के बाद वन विभाग ने मामले की जांच शुरू की है। धमोखर परिक्षेत्र अधिकारी सचिन सिंह के अनुसार, खेत मालिक की पहचान की जा रही है। मृत चीतल का पोस्टमार्टम कराने के बाद निगमानुसार अंतिम संस्कार कर दिया गया। जंगलों के आसपास अवैध रूप से करंट वाले तार लगाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए निगरानी, दोषियों की पहचान और स्थानीय लोगों में जागरूकता बढ़ाना जरूरी है। खेतों में फसल बचाने के लिए लगाए गए तार यदि जानलेवा करंट से जुड़े हों, तो वे वन्यजीवों के साथ ग्रामीणों के लिए भी खतरा पैदा कर सकते हैं। ऐसे में वन विभाग के सामने चुनौती केवल शिकार के मामलों में कार्रवाई करने की नहीं, बल्कि जंगलों की सीमा से लगे क्षेत्रों में इस तरह के जोखिम को रोकने की भी है।

चोट के कारण दूसरा मैच नहीं खेला था; वैभव को फिर मिल सकता है मौका

नई दिल्ली, एजेंसी

ईशान किशन चोट के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मैच से भी बाहर हो गए हैं। यह मैच मंगलवार को वेलिंग्टन में खेला जाएगा। उनकी जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका मिल सकता है। ईशान जांघ की मांसपेशियों में खिचाव के कारण 24 अक्टूबर को दूसरे मैच में भी नहीं खेले थे। टीम इंडिया ने यह मुकाबला 4 विकेट से जीता था। अब टीम की नजर तीसरा टी20 खिताब सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त लेने पर है।

गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने सोमवार को कहा कि ईशान की रिकवरी अच्छी चल रही है। वे ट्रेनिंग में हिस्सा ले रहे हैं, लेकिन तीसरे ज़े20 के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। उन्हें एहतियात के तौर पर आराम दिया जा रहा है।

लिख कर रख लीजिए, रोहित और विराट ही भारत को वर्ल्ड कप दिलाएंगे: सुरेश रैना

मुंबई, एजेंसी

भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज सुरेश रैना ने रोहित शर्मा और विराट कोहली का समर्थन करते हुए कहा है कि अगर दोनों खिलाड़ी वनडे वर्ल्ड कप 2027 में खेलते हैं, तो भारत के पास खिताब जीतने का बेहतरीन मौका होगा। एक कार्यक्रम के दौरान सुरेश रैना ने आईएनएस से कहा कि रोहित और विराट अभी भी टीम के अहम सदस्य हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि अगर दोनों आगामी वनडे विश्व कप में हिस्सा लेते हैं, तो ट्रॉफी भारत के पास आएगी। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम ने 25 जून 1983 को कपिल देव की कप्तानी में वेस्टइंडीज को हराकर अपना पहला वनडे वर्ल्ड कप जीता था। इसके बाद 2 अप्रैल 2011 को महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में श्रीलंका को मात देकर टीम इंडिया ने अपना दूसरा वनडे वर्ल्ड कप खिताब जीता।



क्राइस्टचर्च में पहले टी-20 में लगी थी चोट

ईशान को 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में खेले गए पहले टी20 के दौरान चोट लगी थी। बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनकी रिकवरी पर नजर रख रही है। ईशान इस साल टी-20 इंटरनेशनल मैचों में सबसे अधिक रन बनाने वाले भारतीय हैं। वैभव को फिर मिल सकता है मौका वैभव सूर्यवंशी को प्लेइंग इलेवन में

फिर मौका मिल सकता है। वैभव दूसरे टी-20 में ईशान की जगह तीसरे नंबर पर बैटिंग करने उतरे थे। वे मैच में सिर्फ 4 रन बना पाए थे। बीसीसीआई ने ईशान की जगह कुमार कुशाग्र को टीम में शामिल किया है, लेकिन उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह मिलने की उम्मीद कम है।

टेस्ट सीरीज के लिए बैकअप गेंदबाजों का गुप तैयार

मोर्ने मोर्कल ने ईशान की चोट की अपडेट देने के अलावा टीम के गेंदबाजों के वर्कलोड पर भी बात की। उन्होंने बताया कि टीम मैनेजमेंट 2 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले कुछ गेंदबाजों को बैकअप के तौर पर न्यूजीलैंड में रोक सकता है। इनमें टी-20 सीरीज में खेल रहे अश्वीदीप सिंह भी शामिल हैं। टेस्ट सीरीज 19 नवंबर से शुरू होगी। उन्होंने कहा कि जसप्रीत बुमराह समेत सभी गेंदबाजों को वनडे और टेस्ट के लिए तैयार रखने की योजना बनाई गई है। टीम का लक्ष्य खिलाड़ियों का वर्कलोड संतुलित रखना और थकान के कारण चोट के जोखिम को कम करना है।

यूथ ओलंपिक 2026

11 खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे 17 एथलीट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने डकार 2026 समर यूथ ओलंपिक गेम्स के लिए भारतीय दल की घोषणा कर दी है। सेनेगल में होने वाले इन खेलों में 11 खेलों में कुल 17 खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। आईओए ने सभी खिलाड़ियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि भारतीय दल डकार में देश का नाम रोशन करेगा।

31 अक्टूबर से 13 नवंबर तक चलने वाले डकार 2026 खेल, ओलंपिक आंदोलन के लिए एक ऐतिहासिक अवसर होंगे: यह अफ्रीकी महाद्वीप पर आयोजित होने



वाला पहला ओलंपिक इवेंट होगा। यूथ ओलंपिक गेम्स को उन एथलीट्स के लिए डिजाइन किया गया है जिनकी उम्र इवेंट के समय 17 वर्ष या उससे कम है। इनमें उच्च-स्तरीय प्रतियर्षा के साथ-साथ सीखने और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अवसर भी मिलते हैं। 207 प्रतिनिधिमंडलों के लगभग 2,700 युवा एथलीट्स के 25 खेलों

में हिस्सा लेने की उम्मीद है।

डकार के लिए तैयारी कर रहे एथलीट्स में भारत के होनहार युवा टेबल टेनिस खिलाड़ियों में से एक, सार्थक आर्य भी शामिल हैं, जो पहले से ही अपने करियर के अगले पड़ावों के बारे में सोच रहे हैं। सार्थक ने कहा, यूथ ओलंपिक नरे सफर में एक अहम पड़ाव होगा। मेरा सपना है कि मैं 2030 में अहमदाबाद में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स और फिर 2032 में ब्रिस्बेन में होने वाले ओलंपिक गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करूँ। इसके आगे की बात कर्क़्त तो, अगर भारत को 2036 में ओलंपिक खेलों की मेजबानी करने का मौका मिलता है, तो अपने देश में खेलते हुए ओलंपिक मेडल जीतना वाकई बहुत खास होगा।

व्यापार

व्यापारियों ने जताई 10,000 करोड़ रुपए तक नुकसान की आशंका

रामलीला मैदान की रैली से दिल्ली के बड़े थोक बाजार होंगे ज्यादा प्रभावित

नई दिल्ली, एजेंसी

दिवाली और धनतेरस से पहले दिल्ली में 1 नवंबर को प्रस्तावित कांग्रेस रैली को लेकर व्यापारिक संगठनों ने चिंता जताई है।

व्यापारियों ने सोमवार को कहा कि त्योहारी सीजन पहले से ही विरोध-प्रदर्शनों और यातायात प्रतिबंधों से प्रभावित रहा है, ऐसे में रामलीला मैदान में होने वाली बड़ी राजनीतिक रैली से राजधानी के व्यापार पर गंभीर असर पड़ सकता है। इसी को देखते हुए चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और इससे पहले लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर रैली को दिवाली के बाद तक स्थगित करने का अनुरोध किया है।

सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने न्यूज एजेंसी आईएनएस से कहा कि 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली रैली में लगभग 10 लाख लोगों के पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है, जबकि मैदान की क्षमता इससे कहीं कम है। उन्होंने कहा कि यदि इतनी बड़ी भीड़ जुटती है तो रामलीला मैदान के आसपास स्थित दिल्ली के प्रमुख थोक बाजारों पर व्यापक असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि चांदनी चौक, सदर बाजार, खारी बावली, नया बाजार, दरियावाज, कश्मीरी गेट और अन्य बड़े व्यापारिक केंद्र रैली से प्रभावित हो सकते हैं।



10 लाख लोगों के आने की उम्मीद

आईएनएस से बात करते हुए सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा, 1 नवंबर को रामलीला मैदान में होने वाली रैली से व्यापार पर बड़ा असर पड़ेगा, क्योंकि रामलीला रैली में 10 लाख लोगों के आने की उम्मीद जताई जा रही है, जबकि वहां लोगों के इकट्ठा होने की क्षमता करीब 50 हजार लोगों की है। ऐसे में रामलीला मैदान के आसपास के बाजारों पर इसकी गहरा असर होने की उम्मीद है। उन्होंने आगे कहा, पिछले 10 अक्टूबर को जैसा कि हमने देखा कि जतर-मंतर पर दो-चार हजार लोग आए और उसके कारण ही मेट्रो बंद हो गई, बैरीकेड लग गए और पूरे दिल्ली में लॉकडाउन लग गया था। दिल्ली के 20 से ज्यादा बाजार बंद हो गए थे। ऐसे में अगर 10 लाख लोग रामलीला मैदान में आएंगे, जिसके 5 किलोमीटर के दायरे में दिल्ली के जो 20 बड़े-बड़े होलसेल हब हैं प्रभावित होंगे। पुलिस बैरीकेड लगाएगी, रास्ते बंद करेगी, बाहर का जो तीन-चार खिलौना रीढ़ार, रोजाना दिल्ली में आता है वह नहीं आएगा, पैनिक फ्लेमा तो लोकल दिल्ली के खरीदार भी नहीं आएंगे।

आईपीओ कीमत से 24 प्रतिशत नीचे पहुंचा

कमजोर तिमाही नतीजों से एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट का शेयर लुढ़का

मुंबई, एजेंसी

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयरों में सोमवार को भारी गिरावट देखने को मिली। वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही यानी सितंबर तिमाही के कमजोर नतीजों के बाद निवेशकों ने शेयर में जोरदार बिकवाली की, जिसके चलते यह अपने लिस्टिंग के बाद के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया।

कारोबार के दौरान कंपनी के शेयर 7 प्रतिशत तक टूटकर 433.55 रुपए पर आ गया, जो 21 जुलाई 2026 को सूचीबद्ध होने के बाद का अब तक का सबसे निचला स्तर है। हालांकि बाद के कारोबार



में शेयर ने थोड़ी रिकवरी की और 2.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 452.45 रुपए पर बंद हुआ। मौजूदा स्तर पर यह अपने आईपीओ मूल्य 574 रुपए प्रति शेयर से लगभग 24.46 प्रतिशत नीचे है।

शेयर में गिरावट के पीछे दूसरी तिमाही के अपेक्षा से कमजोर नतीजे प्रमुख कारण

बाजारों में अनिश्चितता का माहौल पैदा होगा

व्यापारिक संगठनों का कहना है कि अक्टूबर और नवंबर का समय पूरे साल का सबसे महत्वपूर्ण कारोबारी दौर होता है। बृजेश गोयल ने कहा कि धनतेरस 6 नवंबर को है और उससे चार-पांच दिन पहले किसी बड़े आयोजन से बाजारों में डर और अनिश्चितता का माहौल पैदा हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि यदि रैली निर्धारित समय पर होती है तो दिल्ली के व्यापार को 10,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हो सकता है। यही वजह है कि व्यापारियों ने केवल कुछ दिनों के लिए रैली को टालने का आग्रह किया है।

वही, एपीएमए कश्मीरी गेट के अध्यक्ष विनय नारंग ने आईएनएस से बातचीत में कहा कि दिल्ली के व्यापारी 2 अक्टूबर से ही लगातार विभिन्न कारणों से नुकसान झेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि त्योहारी सीजन में व्यापारियों को कर्मचारियों और श्रमिकों को नौनस देना होता है, लेकिन बिन्नी प्रभावित होने से आर्थिक दबाव बढ़ गया है।

स्मिथ फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे

निर्णायक टेस्ट मैच से पहले ऑस्ट्रेलिया टीम से बाहर हुए मैडिन्सन-हार्पर

केप टाउन, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मुकाबलों की टेस्ट सीरीज फिलहाल 1-1 से बराबरी पर है। निर्णायक मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को एक नया ओपनर मिलेगा, क्योंकि निक मैडिन्सन और बैकअप विकेटकीपर सैम हार्पर को टीम से रिलीज कर दिया गया है। वहीं, अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ अपनी गर्दन की चोट के लिए फिटनेस टेस्ट से गुजरेंगे।

मैडिन्सन इस सीरीज की अपनी चार पारियों में 0, 48, 0 और 8 रन ही बना सके थे। वह अब स्वदेश लौट रहे हैं, जहां वे होबार्ट में तस्मानिया के खिलाफ शेफील्ड शील्ड मैच में न्यू साउथ वेल्स की ओर से खेलेंगे। यह मैच शुरुवार से शुरू हो रहा है। उनके जाने के बाद अब मैथ्यू रेनार्श, ट्रैविस हेड के साथ पारी की शुरुआत करेंगे।



विकटोरिया की तरफ से खेलेंगे...

हार्पर शनिवार से गाबा में क्वींसलैंड के खिलाफ होने वाले शेफील्ड शील्ड मैच में विकटोरिया की तरफ से खेलेंगे। जोश इमिलस की उंगली में फ्रैक्चर होने के बाद हार्पर को कवर के तौर पर टीम में शामिल किया गया था, लेकिन अब इंग्लिस फिट हैं और अगर एलेक्स कैरी को कोई विक्रत आती है, तो वे विकेट कीपिंग कर सकते हैं। क्रिकइन्फो के अनुसार, हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा, हमें लगता है कि उनके (स्मिथ) खेलने के लिए अभी काफी कुछ टीक होना बाकी है, लेकिन अगर आज हमें कोई सुखद आश्चर्य मिलता है, तो आप उन्हें खेलते हुए देख सकते हैं। स्मिथ को गकेंबरहा में खेले गए दूसरे टेस्ट के दौरान गर्दन में चोट लग गई थी। हालांकि उनके फिट होने की उम्मीद है, लेकिन अगर वे फिट नहीं होते हैं, तो मार्नस लाबुशेन पर अपनी नंबर तीन की जगह बचाने का दबाव बढ़ जाएगा, खासकर तब जब कैमरून ग्रीन और इंग्लिस भी चोट से उबरकर वापस आ चुके हैं।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी: मिडफील्डर मनप्रीत पूरे टूर्नामेंट से बाहर; विवेक सागर टीम में शामिल

जालंधर, एजेंसी

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 से ठीक पहले भारतीय पुरुष हॉकी टीम को झटका लगा है। अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ट्रेनिंग के दौरान पिंडली में चोट लगने के कारण टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। उनके स्थान पर विवेक सागर प्रसाद को टीम में शामिल किया गया है।

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2026 की शुरुआत मंगलवार से होगी, जिसमें भारत अपने खिताब का बचाव करने की तैयारी कर रहा है। खिताब के लिए भारत के अलावा मलेशिया, जापान, चीन, साउथ कोरिया और बांग्लादेश की टीमों भी हिस्सा लेंगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने बताया, ट्रेनिंग सेशन के दौरान पिंडली में चोट लगने की वजह से मनप्रीत सिंह हरीो एशियन चैंपियंस ट्रॉफी पंजाब 2026 से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह भारतीय टीम में विवेक



सागर प्रसाद को शामिल किया गया है। यह चोट ऐसे समय पर लगी है जब मनप्रीत अपने घरेलू मैदान पर खेलने का इंतजार कर रहे थे। इसी मैदान पर उन्होंने किशोर्वक्स्था में हॉकी खेलना सीखा था। साल 2011 में भारतीय सीनियर टीम के लिए डेब्यू करने के बाद से मनप्रीत 430 अंतराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

सोने की कीमतों में मामूली बदलाव, चांदी 1.95 लाख रुपए के नीचे स्थिर



मुंबई, एजेंसी। सोने और चांदी ने सोमवार को एक सीमित दायरे में कारोबार किया। इससे सोने का दाम 1.42 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी का दाम 1.95 लाख रुपए प्रति किलो के नीचे स्थिर रहा। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजे) के मुताबिक, 24 कैरेट सोने का दाम 80 रुपए बढ़कर 1,41,710 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है, जो कि पहले 1,41,630 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 22 कैरेट सोने की कीमत बढ़कर 1,29,806 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गई है, जो कि पहले 1,29,733 रुपए प्रति 10 ग्राम थी। वहीं, 18 कैरेट सोने का दाम 1,06,223 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर 1,06,283 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया है। सोने के चांदी की कीमतों में भी मामूली बदलाव देखा गया है। चांदी का दाम 64 रुपए बढ़कर 1,94,479 रुपए प्रति किलो हो गया है, जो कि पहले 1,94,415 रुपए प्रति किलो था। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने और चांदी दोनों में तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर खबर लिखे जाने तक सोने का दाम 0.55 प्रतिशत बढ़कर 4,029 डॉलर प्रति औंस और चांदी का दाम 0.26 प्रतिशत बढ़कर 54.09 डॉलर प्रति औंस हो गया है। जानकारों ने कहा कि सोना कारोबारी सत्र में एक सीमित दायरे में रहा। हालांकि, कॉमेक्स पर सोना 4,000 डॉलर प्रति औंस के अहम सपोर्ट स्तर के आसपास टिकने में कामयाब रहा। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और अमेरिका में ब्याज दरें बढ़ने की संभावनाओं के चलते डॉलर को मजबूती मिल रही है, जिससे सोने-चांदी की कीमतों पर दबाव बना हुआ है। इस हफ्ते सबकी नजरें फेड के नीतिगत फैसले पर टिकी हैं।

एथेनॉल-आधारित मोबिलिटी को बढ़ावा फ्लेक्स-पयूल वाहनों के लिए सरकार ने लागू किए ई100 ईंधन मानक

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने एथेनॉल-आधारित हरित ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए केंद्रीय मोटर वाहन नियम, 1989 में संशोधन किया है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, सोमवार से फ्लेक्स-पयूल वाहनों के लिए 100 प्रतिशत एथेनॉल (ई100) ईंधन से संबंधित नए उत्सर्जन और ईंधन मानक लागू हो गए हैं। नए नियमों के तहत सरकार ने विभिन्न उत्सर्जन मानकों और परीक्षण प्रक्रियाओं में केवल ई85 ईंधन के संदर्भों को बदलकर ई85 या ई100 कर दिया है। इससे फ्लेक्स-पयूल वाहनों में 100 प्रतिशत एथेनॉल ईंधन के उपयोग का मार्ग प्रशस्त हो गया है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि ई85 या ई100 ईंधन का उपयोग केवल उन्हीं फ्लेक्स-पयूल वाहनों में किया जा सकेगा, जिन्हें मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) इस प्रकार के ईंधन के लिए डिजाइन करेंगे। संशोधित नियमों में कुछ वाहन और ईंधन श्रेणियों में भी बदलाव किए गए हैं। उदाहरण के लिए, एक उत्सर्जन तालिका में सकल वाहन भार की सीमा 3,000 किलोग्राम से बढ़ाकर 3,500 किलोग्राम कर दी गई है। इसके अलावा हाइड्रोजन-फंडेड नेचुरल गैस (एनसीएनजी), 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ई20), बायोडीजल मानकों और उत्सर्जन परीक्षण से संबंधित तकनीकी संशोधन भी किए गए हैं। इस वर्ष की शुरुआत में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि यदि वाहन पूरी तरह एथेनॉल पर चलें तो ईंधन की लागत लगभग 25 रुपए प्रति लीटर पेट्रोल के बराबर हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा था कि दुनिया के 19 देशों में एथेनॉल का उपयोग हो रहा है और भारत में भी अब तक इससे वाहनों को लेकर कोई बड़ी शिकायत सामने नहीं आई है। इस बीच, ब्रिकवर्क रेटिंग्स की एक रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि यदि देश में ई25 मिश्रण का लक्ष्य हासिल किया जाता है तो वित्त वर्ष 2030-31 तक एथेनॉल की मांग बढ़कर 17.9 अरब लीटर तक पहुंच सकती है।



दौरान तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के आयात की मात्रा में भी 4.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में एलएनजी का आयात बढ़कर 18,189 मिलियन स्टैंडर्ड ब्यूल्क मीटर (एमएमएससीएम) हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 17,414 एमएमएससीएम था।

सरकार ने चालू इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर खर्च किए 17.73 लाख करोड़ रुपए

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने सोमवार को बताया कि सितंबर 2026 तक केंद्र के 17 मंत्रालयों और विभागों में कुल 37.56 लाख करोड़ रुपए की नवीनतम अनुमानित लागत वाली 1,853 इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की निगरानी की जा रही है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के अनुसार, इन प्रोजेक्ट्स पर अब तक कुल 17.73 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं, जो प्रोजेक्ट्स की कुल लागत का लगभग 47.21 प्रतिशत है। यह इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स के क्रियान्वयन में निरंतर प्रगति को दर्शाता है। बयान में कहा गया, काफी संख्या में प्रोजेक्ट्स अग्रिम चरण में पहुंच गए हैं। कुल 654 प्रोजेक्ट्स (35 प्रतिशत) में 80 प्रतिशत से अधिक भौतिक प्रगति दर्ज की गई है, जबकि 338 प्रोजेक्ट्स (18 प्रतिशत) में 80 प्रतिशत से अधिक वित्तीय कार्य पूरा हो चुका है। कुल 1,853 जारी इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स में से 780 मेगा प्रोजेक्ट्स हैं, जिनकी लागत 1,000 करोड़ रुपए या इससे अधिक है। वहीं, 1,073 प्रमुख इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की लागत 1,000 करोड़ रुपए से कम है।

कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 12 बेसिस प्वाइंट घटी

कंपनी के इंडिटी कार्टरली एवरेज एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (व्यूएयूएम) में 5.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई, लेकिन यह उद्योग की 6.6 प्रतिशत वृद्धि दर से कम रही। इसके परिणामस्वरूप कंपनी की बाजार हिस्सेदारी 12 बेसिस प्वाइंट घटकर 12.53 प्रतिशत पर आ गई। सिरस्टैटिक इन्वेस्टमेंट लान (एसआईपी) के मोर्व पर भी कुछ दबाव देखने को मिला। सितंबर 2026 में मासिक एसआईपी प्रवाह में कंपनी की हिस्सेदारी घटकर 12 प्रतिशत रह गई, जो जून में 12.65 प्रतिशत थी। एसआईपी एसेट्स अंडर मैनेजमेंट लगभग स्थिर रहते हुए 2.07 ट्रिलियन रुपए पर रह, जबकि बाजार हिस्सेदारी मामूली घटकर 11.59 प्रतिशत हो गई। तिमाही के दौरान नए एसआईपी

पंजीकरण 19 लाख रहे, लेकिन इस श्रेणी में भी बाजार हिस्सेदारी 10.6 प्रतिशत से घटकर 9.94 प्रतिशत पर आ गई। हालांकि निकट अवधि की चुनौतियों के बावजूद विश्लेषकों का मानना है कि कंपनी का मुख्य म्यूचुअल फंड कारोबार अभी भी मजबूत स्थिति में है। सितंबर 2026 तक की तीन वर्षीय अवधि में कंपनी की इंडिटी और हाइब्रिड परिसंपत्तियों का आधे से अधिक हिस्सा प्रतियर्षी प्रदर्शन देने में सफल रहा है। इंडिक्रस शिफ्टोरिटीज का अनुमान है कि वित्त वर्ष 2026 से 2029 के बीच कंपनी के म्यूचुअल फंड औसत एसेट्स अंडर मैनेजमेंट में 13 प्रतिशत की सीएजीआर और इंडीआईटीडीए में 10 प्रतिशत सीएजीआर दर्ज की जा सकती है।



करवा चौथ हिंदू धर्म का प्रमुख त्योहार है, जिसे खासतौर पर उत्तर भारत में मनाया जाता है। इस दिन विवाहित महिलाएं पति की लंबी उम्र, अच्छे स्वास्थ्य और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना के लिए सूर्योदय से चंद्रोदय तक व्रत रखती हैं, लेकिन इस त्योहार की शुरुआत कब और क्यों हुई, इसका कोई एक सर्वमान्य ऐतिहासिक प्रमाण नहीं है। इसके पीछे कई लोक कथाएं और क्षेत्रीय परंपराएं प्रचलित हैं।

करवा चौथ पर मेक ओवर

दुल्हन जैसा निखार पाने के लिए अपनाएं ये टिप्स

चेहरे की सफाई से लेकर आंखों के आकर्षक शृंगार तक, जानिए राजस्थानी दुल्हन जैसा रूप पाने की पूरी विधि।



करवा चौथ पर हर महिला सबसे खूबसूरत दिखना चाहती है। इस खास मौके पर महिलाएं कपड़ों, गहनों और शृंगार की तैयारी पहले से करने लगती हैं। अगर आप इस बार सामान्य शृंगार से हटकर राजस्थानी राजपूती दुल्हन जैसा रूप पाना चाहती हैं, तो कुछ आसान तरीकों को अपनाकर अपने रूप को खास बना सकती हैं। पारंपरिक गहनों, आकर्षक आंखों और निखरे चेहरे का मेल आपको शाही अंदाज दे सकता है।

1. सबसे पहले चेहरे की सफाई करें

शृंगार शुरू करने से पहले चेहरे को अच्छी तरह साफ करें। इसके बाद त्वचा के अनुकूल टोनर और नमी देने वाली क्रीम लगाएं। होंठों पर भी नमी बनाए रखने के लिए क्रीम लगाएं। कुछ मिन्ट रुके, ताकि त्वचा इसे अच्छी तरह सोख ले। इससे चेहरे पर शृंगार की परत बेहतर तरीके से लगेगी।

2. आंखों को दें शाही अंदाज

राजपूती दुल्हन के रूप में आंखों का विशेष महत्व होता है। सबसे पहले पलकों पर त्वचा के रंग से थोड़ा हल्का कंसीलर लगाकर उसे हल्के पाउडर से स्थिर करें। इसके बाद गहरे भूरे या काले रंग से आंखों की निचली रेखा पर काला रंग लगाएं। इसके बाद नकली पलकें और काजल लगाकर आंखों को आकर्षक बनाएं। होंठों पर गुलाबी रंग की लिपस्टिक लगाएं और अंत में शृंगार को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए स्थिर करने वाला छिड़काव करें।

पंजाब और उत्तर-पश्चिम भारत से जुड़ी परंपरा कैसे बनी सुहाग और दांपत्य प्रेम का प्रतीक? जानिए इससे जुड़ी मान्यताएं, लोक कथाएं

करवा चौथ की शुरुआत कैसे हुई? जानिए इतिहास और 5 रोचक तथ्य

पंजाब और उत्तर-पश्चिम भारत से जुड़ी है परंपरा



करवा चौथ की परंपरा मुख्य रूप से पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश सहित उत्तर-पश्चिम भारत के क्षेत्रों से जुड़ी मानी जाती है। समय के साथ यह त्योहार देश के दूसरे हिस्सों में भी लोकप्रिय हुआ। आज इसे केवल धार्मिक व्रत ही नहीं, बल्कि पारिवारिक मेल-मिलाप, शृंगार और वैवाहिक रिश्तों के उत्सव के रूप में भी मनाया जाता है।

निष्कर्ष: करवा चौथ की शुरुआत को लेकर अलग-अलग लोककथाएं और मान्यताएं हैं, इसलिए इसकी उत्पत्ति के बारे में किसी एक कहानी को प्रमाणित इतिहास नहीं माना जा सकता। इतना स्पष्ट है कि उत्तर-पश्चिम भारत में विकसित यह परंपरा आज दांपत्य जीवन, अस्था और पारिवारिक संबंधों से जुड़ा महत्वपूर्ण त्योहार बन चुकी है।

करवा और चौथ शब्द से बना त्योहार का नाम



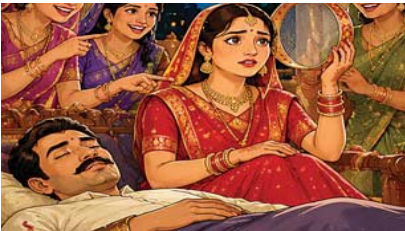
करवा चौथ नाम दो शब्दों से मिलकर बना है। 'करवा' मिट्टी के उस छोटे बड़े को कहा जाता है, जिसका इस्तेमाल पूजा में जल रखने और चंद्रमा को अर्घ्य देने के लिए किया जाता है। 'चौथ' का अर्थ चंद्र कैलेंडर की चौथी तिथि है। यह व्रत कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को रखा जाता है। एक प्रांत से मनते-मनते यह त्योहार पूरे भारत में मनाया जाने लगा है।

सैनिकों की सुरक्षा से भी जोड़ी जाती है शुरुआत



करवा चौथ की शुरुआत से जुड़ी एक मान्यता यह भी है कि पुराने समय में महिलाएं युद्ध पर गए अपने पतियों की सुरक्षा और सकुशल वापसी की कामना करती थीं। कुछ लोक-व्याख्याओं में इसे सैनिकों की लंबी आयु के लिए रखे जाने वाले व्रत से जोड़ा जाता है। हालांकि, इस मान्यता को त्योहार की निश्चित ऐतिहासिक शुरुआत साबित करने वाला सर्वमान्य प्रमाण उपलब्ध नहीं है।

वीरावती की कथा व्रत से जुड़ी प्रमुख मान्यता



करवा चौथ की प्रसिद्ध लोककथाओं में वीरावती की कहानी शामिल है। कथा के अनुसार, वीरावती अपने भाइयों के छल से चंद्रमा निकलने का भ्रम पालकर व्रत खोल देती है। इसके बाद उसके पति पर संकट आ जाता है। वह पूरे मन से देवी की आराधना करती है और अपने पति को फिर से प्राप्त करती है। यह कथा व्रत में श्रद्धा, धैर्य और संकल्प का महत्व बताती है।

चांद देखकर व्रत खोलने की परंपरा कैसे बनी खास?



करवा चौथ पर महिलाएं दिनभर व्रत रखने के बाद चंद्रमा के दर्शन करती हैं और अर्घ्य देकर व्रत खोलती हैं। कई क्षेत्रों में महिलाएं छलनी से पहले चांद और फिर अपने पति का चेहरा देखती हैं। सास की ओर से सरगी देने, पूजा की थाली सजाने और दूसरी महिलाओं के साथ कथा सुनने की परंपराएं भी प्रचलित हैं। समय के साथ सिनेमा और टेलीविजन ने लोकप्रिय बनाने में भूमिका निभाई।

क्या प्रेम का अर्थ केवल व्रत रखना है, या एक-दूसरे को समझना और स्वीकार करना भी प्रेम है?

करवा चौथ पति-पत्नी के प्रेम, विश्वास और समर्पण से जुड़ा त्योहार है। इस अवसर पर एक सवाल मन में उठता है- क्या किसी रिश्ते की गहराई भ्रूखे-प्यासे रहने से मापी जा सकती है, या उसका असली आधार आपसी सम्मान और समझ है?

ओ शो ने प्रेम, विवाह और स्वतंत्रता जैसे विषयों पर अपने विचार व्यक्त किए हैं। उनकी विचारधारा से प्रेरित एक काल्पनिक कहानी इस त्योहार को एक अलग नजरिए से समझने का अवसर देती है। यह कहानी ओशो द्वारा सुनाई गई प्रमाणित कहानी नहीं, बल्कि उनके विचारों से प्रेरित रचनात्मक प्रस्तुति है।

चांद से पहले प्रेम को समझो
एक छोटे से गांव में मीरा नाम की महिला रहती थी। हर साल करवा चौथ पर वह अपने पति के लिए निर्जला व्रत रखती थी। उसे विश्वास था कि उसका व्रत पति की लंबी उम्र और उनके सुखी जीवन का आधार है।

एक दिन मीरा ने अपने पति से पूछा, अगर मैं किसी साल व्रत न रख पाऊं, तो क्या हमारा प्रेम कम हो जाएगा?

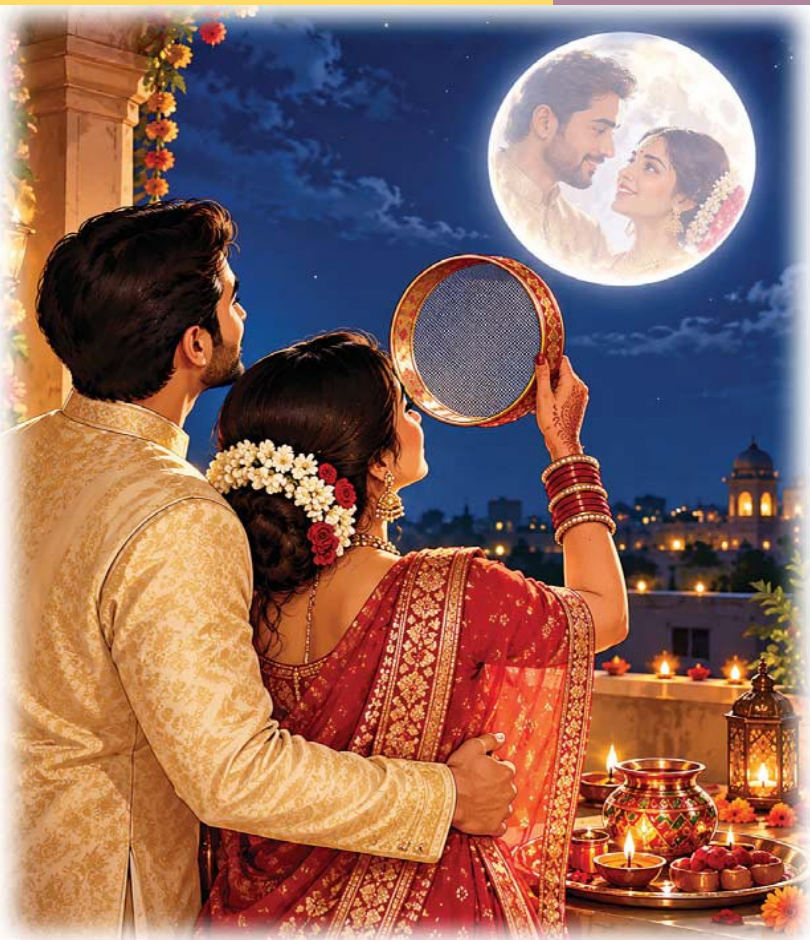
पति कुछ देर चुप रहा, फिर बोला, तुम मेरे लिए भूखी रहो, यह तुम्हारी श्रद्धा है, लेकिन मैं चाहता हूं कि तुम स्वस्थ और खुश रहो। तुम्हारी मुस्कान मेरे लिए किसी भी रस्म से ज्यादा कीमती है।

यह सुनकर मीरा सोच में पड़ गई। उसने महसूस किया कि वह वर्षों से प्रेम जताने के लिए परंपरा निभा रही थी, लेकिन कभी यह नहीं पूछा कि प्रेम को रोजमर्रा की जिंदगी में कैसे जिया जाए।

उस रात चांद निकला। मीरा ने छलनी से चांद देखा और फिर अपने पति की ओर देखा। दोनों ने एक-दूसरे का हाथ थाम

करवा चौथ पर प्रेरक दृष्टि...

मैं तुझे ही चांद कहता था...



लिया। मीरा ने कहा, आज समझ आया कि प्रेम केवल किसी खास दिन की पूजा नहीं है। यह हर दिन एक-दूसरे की चिंता करना, मुश्किल समय में साथ देना और एक-दूसरे की इच्छाओं का सम्मान करना है।

पति मुस्कुराया, और एक-दूसरे को बदलने के बजाय समझने की कोशिश करना भी। उस दिन मीरा ने करवा चौथ

की परंपरा को छोड़ा नहीं, बल्कि उसके अर्थ को नए ढंग से समझा। उसके लिए व्रत श्रद्धा का प्रतीक बना, मजबूरी का नहीं, और विवाह अधिकार का नहीं, साझेदारी का रिश्ता।

क्या समझो...

ओशो के प्रेम और स्वतंत्रता संबंधी विचारों से प्रेरित यह कहानी हमें याद दिलाती है कि

प्रेम

विश्वास और स्वतंत्रता की कहानी

करवा चौथ पर आलता

इन खूबसूरत डिजाइनों से निखरेंगे पैर और शृंगार

पारंपरिक गोल आकृति से लेकर फूलों और बेल वाले डिजाइनों तक, जानिए पैरों को आकर्षक बनाने के तरीके।



करवा चौथ का त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए खास महत्व रखता है। इस दिन महिलाएं सोलह शृंगार करके सजती-संवर्तती हैं। साड़ी, लहंगा, चूड़ियां, बिंदी और सिंदूर के साथ पैरों को सजाने के लिए आलता भी पारंपरिक रूप से पसंद किया जाता है। लाल रंग का आलता पैरों की सुंदरता बढ़ाने के साथ पारंपरिक रूप को भी खास बनाता है। अगर आप इस करवा चौथ पर अपने पैरों को आकर्षक अंदाज में सजाना चाहती हैं, तो इन डिजाइनों से प्रेरणा ले सकती हैं।

1. साधारण गोल डिजाइन



अगर आपको सादगी पसंद है, तो पैरों के लिए गोल आकार वाला आलता डिजाइन चुन सकती हैं। इसमें पैरों की उंगलियों पर हल्की सजावट की जाती है और तलवे के ऊपरी हिस्से में गोल आकृति बनाई जाती है। यह डिजाइन बनाने में आसान है और पारंपरिक पहनावे के साथ सुंदर लगता है।

2. सफेद रंग की बारीक सजावट

लाल आलता के साथ सफेद रंग की बारीक आकृतियां पैरों को आकर्षक रूप देती हैं। इसमें बीच में फूल जैसा आकार बनाकर उसके आसपास सफेद रंग की बेल या बिंदियां बनाई जा सकती हैं। इसके साथ मोतियों वाली पायल पहनने से पैरों की खूबसूरती और बढ़ जाती है।

3. साधारण लेकिन आकर्षक डिजाइन

अगर आप कम समय में सुंदर डिजाइन बनाना चाहती हैं, तो गोल आकृति के चारों ओर छोटी-छोटी बिंदियां बना सकती हैं। पैरों की उंगलियों पर तिरछी रेखाओं या बारीक आकृतियों से सजावट की जा सकती है। इस डिजाइन के साथ चांदी की बिछिया पारंपरिक रूप को और निखारती है।

4. चमकदार सजावट

आलता को आधुनिक रूप देने के लिए उसके डिजाइन के किनारों

पर सजावटी चमकीले नंगे लगाए जा सकते हैं। इसके लिए पहले अपनी पसंद का आलता डिजाइन बनाएं और फिर उसके आसपास हल्की सजावट करें। ध्यान रखें कि सजावटी सामग्री त्वचा के अनुकूल हो और चलने में परेशानी न हो।

5. फूलों वाला डिजाइन



फूलों की आकृतियों वाला आलता डिजाइन पैरों को अलग और खूबसूरत रूप देता है। इसमें पंखुड़ियों, छोटी बिंदियों और गोल आकृतियों का इस्तेमाल किया जा सकता है। यदि हाथ से डिजाइन बनाना मुश्किल लगे, तो रंगीली की तरह बने उपयुक्त नमूनों या सुरक्षित स्टैंसिल की मदद ली जा सकती है।

6. बेल वाला डिजाइन



बेल के आकार वाला आलता डिजाइन उन महिलाओं के लिए अच्छा विकल्प है, जिन्हें हल्की और पारंपरिक सजावट पसंद है। इसमें पैरों की उंगलियों से शुरू होकर किनारों की ओर तिरछी बेल बनाई जाती है। इसकी सादगी पैरों को आकर्षक बनाती है और साड़ी, लहंगे या सूट के साथ अच्छी लगती है। करवा चौथ पर आलता के इन डिजाइनों से पैरों की खूबसूरती को पारंपरिक अंदाज में निखारा जा सकता है। अपनी पसंद, पहनावे और सुविधा के अनुसार डिजाइन चुनें। आलता लगाने से पहले त्वचा पर थोड़ी मात्रा में परीक्षण जरूर करें।

फूलों वाले कंगन से लेकर मोती, घुंघरू और गोटे से सजे चूड़ी सेट तक, अपने पारंपरिक पहनावे के अनुसार चुनें मनपसंद डिजाइन

चूड़ियों से सजाएं कलाइयां, निखरेगा रूप शृंगार...

करवा चौथ चौथ का त्योहार सुहागिन महिलाओं के लिए खास महत्व रखता है। इस दिन महिलाएं सोलह शृंगार करके सजती-संवर्तती हैं। साड़ी, लहंगा, बिंदी, सिंदूर और गहनों के साथ चूड़ियां भी उनके शृंगार का अहम हिस्सा होती हैं। खासकर लाल और हरे रंग की चूड़ियां पारंपरिक रूप को निखारती हैं। अगर आप इस करवा चौथ पर अपनी कलाइयों को खूबसूरत अंदाज में सजाना चाहती हैं, तो इन आकर्षक डिजाइनों से प्रेरणा ले सकती हैं।

1. फूलों वाले कंगन सेट

लाल चूड़ियों के साथ सुनहरे रंग और लाल पत्थरों से सजे फूलों के आकार वाले कंगन खूबसूरत लगते हैं। अलग आकार के कंगनों का मेल हाथों को आकर्षक रूप देता है। यह सेट पारंपरिक साड़ी व लहंगे के साथ अच्छे लगता है।



2. कश्मीरी घुंघरू वाली

अगर आप पारंपरिक शृंगार में कुछ नया जोड़ना चाहती हैं, तो घुंघरू वाली चूड़ियां चुन सकती हैं। इन्हें सादी लाल या हरी रंग के कंगन खूबसूरत लगते हैं। अलग आकार के कंगनों का मेल हाथों को आकर्षक रूप देता है। सुनहरे रंग की सजावट इनके आकर्षण को और बढ़ाती है। इससे हाथों का अंदाज अलग ही दिखेगा।



3. बूंदों जैसी सजावट

बूंदों के आकार वाली सजावटी चूड़ियां लाल और हरे रंग के साथ खूबसूरत लगती हैं। इनके साथ अलग-अलग आकार के कंगन पहनकर कलाइयों को भरा हुआ और आकर्षक रूप दिया जा सकता है। यह डिजाइन उन महिलाओं के लिए अच्छा विकल्प है।



4. मोतियों से सजा सेट

सादगी पसंद करने वाली महिलाएं लाल कांच की चूड़ियों के साथ मोतियों से सजे कंगन पहन सकती हैं। यह मेल ज्यादा चमकदार हुए बिना भी हाथों को सुंदर रूप देता है। हल्की कढ़ाई वाली साड़ी या पारंपरिक सूट के साथ यह सेट खास तौर पर अच्छे लगता है।

5. गोटे और कपड़े से सजी

लाल कपड़े, सुनहरे गोटे और छोटे घुंघरूओं से सजी चूड़ियां पारंपरिक शृंगार को अलग पहचान देती हैं। इन्हें साधारण कांच की चूड़ियों के साथ पहनकर सुंदर मेल बनाया जा सकता है। खरीदते समय चूड़ियों की बनावट और आराम का ध्यान रखें।

6. मखमली बनावट

लाल और हरे रंग की मखमली बनावट वाली चूड़ियों के साथ सुनहरे मोतियों या पत्थरों से सजा चौड़ा कंगन आकर्षक लगता है। यह डिजाइन उन महिलाओं के लिए अच्छा विकल्प है, जो पारंपरिक रूप में आधुनिक अंदाज भी जोड़ना चाहती हैं। करवा चौथ पर लाल और हरी चूड़ियों के इन डिजाइनों से अपनी कलाइयों को खूबसूरती से सजा सकती हैं।